http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 110

प्रयागराज रविवार 05 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

'ग्रामीण भारत महोत्सव' में बोले पीएम मोदी

जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा है

- किसानों को तीन लाख करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी
- 4 जनवरी से 9 जनवरी तक चलेगा महोत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ृसाल 2025 की शुरुआत में ग्रामीण भारत महोत्सव का भव्य आयोजन भारत की विकास यात्रा को दर्शा रहा है। इसके आयोजन के लिए नबार्ड और अन्य सहयोगियों को बधाई ।ृ प्रधानमंत्री ने कहा कि आज गांवों के लाखों घरों को पीने का साफ पानी मिल रहा है। लोगों को डेढ़ लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। आज डिजिटल तकनीक की मदद से बेहतरीन डॉक्टर और अस्पताल भी गांवों से कनेक्ट हो रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए जरूरी है कि आर्थिक नीतियां गांव के हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई जाएं। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने ये काम किया है। दो–तीन दिन पहले ही कैबिनेट ने पीएम फसल योजना को एक साल और बढ़ाने को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री

> जब मैं गांवों को देखता हूं तो सोचता हूं कि यहां विकास के काम पहले की सरकारें भी कर सकती थी, मोदी का इंतजार क्यों करना पड़ा? गांव शहर की खाई भी बढ़ती रही।
> **नरेंद्र मोदी**
> प्रधानमंत्री

ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए देश को किसानों को तीन लाख करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते 10 वर्षों में कृषि ऋण साढ़े तीन गुना बढ़ गए हैं। अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। हमने बीते 10 वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली को बढ़ाया है। हमने स्वामित्व योजना जैसे अभियान चलाए हैं, जिनके जरिए गांव के लोगों को संपत्ति के दस्तावेज दिए जा रहे हैं। आज गांव के युवाओं को मुद्रा योजना, स्टार्टएप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए मदद की जा रही है। किसानों को फसलों का सही दाम मिले, इसके लिए साल 2021 में अलग मंत्रालय का गठन किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में एक अहम सर्वे हुआ है, जिसमें पता चला कि साल 2011 की तुलना में अब ग्रामीणों की क्रय शक्ति करीब तीन गुना बढ़ गई है। अब गांव के लोग पहले की तुलना में ज्यादा खर्च कर रहे हैं। आजादी के बाद देश के ग्रामीण खाने पर 50 प्रतिशत आमदनी खर्च कर रहे थे। यह पहली बार है कि यह दर 50 फीसदी तक घट गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि श्पूर्व की सरकारों ने दलितों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के लोगों की परेशानियों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते गांवों से पलायन हुआ और गरीबी बढ़ी। गांवों और शहरों में लगातार अंतर बढ़ रहा है। श्जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा हैश। जिन इलाकों को विकास से वंचित रखा गया, अब वहां समान अधिकार मिल रहे हैं। कल ही स्टेट बैंक ने रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार, साल 2012 में भारत में ग्रामीण इलाकों में गरीबी 26 प्रतिशत थी, लेकिन 2024 में यह घटकर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है। ग्रामीण भारत महोत्सव का आयोजन 4 जनवरी से लेकर 9 जनवरी तक होगा और इसकी थीम श्विकसित भारत 2047 के लिए एक लचीले ग्रामीण भारत का निर्माणश रखी गई है। इस महोत्सव के दौरान ग्रामीण भारत की उद्यमशीलता की भावना और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया जाएगा। इस महोत्सव में विभिन्न चर्चाओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनके जरिए ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण और ग्रामीण समुदाय में नवाचार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, छह की मौत

विरुधुनगर,(एजेंसी)। तमिलनाडु के विरुधनगर के अप्पानाइकेनपट्टी गांव में शनिवार को एक निजी पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट होने से छह श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार साईनाथ फायरवर्क्स फैक्ट्री में जब श्रमिक फैंसी किस्म के पटाखे बनाने के लिए अत्यधिक ज्वलनशील रसायनों को मिला रहे थे तभी जोरदार विस्फोट हुआ। शक्तिशाली विस्फोटों की एक श्रृंखला ने चार गोदाम को तहस–नहस कर दिया, जहां तैयार पटाखों और रसायनों का एक बड़ा भंडार था। सूचना मिलने के बाद सत्तूर से तमिलनाडु अग्निशमन और बचाव सेवा विभाग के कर्मी फैक्ट्री पहुंचे और बड़ी मशक्कत के बाद

आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मीनाक्षी सुंदरम, शिवकुमार, कामराज, वेलमुरुगन, कन्नन और नागराज के रूप में हुई है। यह पता लगाने के लिए बचाव अभियान अभी भी जारी है कि मलबे के नीचे कोई और श्रमिक दबा तो नहीं है। मलबे में फंसे शवों को दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए विरुधुनगर सरकारी अस्पताल ले जाया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रसायनों को रखते समय घर्षण के कारण आग लगी। विस्फोट होने के वास्तविक कारण की हालांकि जांच की जा रही है। जिला कलेक्टर वी. पी. जयसीलन, जो घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान की निगरानी की, ने संवाददाताओं को बताया कि यह पता लगाने के लिए विस्तृत जांच चल रही है कि क्या फैक्ट्री में सुरक्षा मानदंडों का कोई उल्लंघन तो नहीं किया गया था। पुलिस ने फैक्ट्री के मालिक बालाजी और शशिबालन के अलावा मैनेजर डॉस और प्रकाश सहित चार लोगों के खिलाफ विभिन्न संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

बांदीपोरा में सेना का ट्रक खाई में गिरा... चार जवानों की मौत, दो घायल

श्रीनगर, एजेंसी।
जम्मू–कश्मीर के बांदीपोरा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। सेना का एक वाहन खाई में गिर गया। हादसे में चार सैनिकों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है। जानकारी के अनुसार, जम्मू–कश्मीर के बांदीपोरा में शनिवार दोपहर यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि फिसलन के कारण सेना का एक ट्रक पहाड़ी से नीचे खाई में गिर गया। इस हादसे में चार जवानों की मौत हो गई। जबकि दो घायल हो गए। इनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। यह दुर्घटना बंदीपोरा के सदरकूट पाईन इलाके में हुई जहां सेना का ट्रक फिसलन के कारण खाई में जा गिरा। हादसे के बाद स्थानीय पुलिस और सेना के अन्य जवान राहत कार्य में जुट गए। इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

बीच सड़क पर भिड़े बाबुल सुप्रियो और भाजपा सांसद अभिजीत गांगुली, कार ओवरटेक करने को लेकर विवाद

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के प्रतिष्ठित सेकेंड हुगली ब्रिज पर रात एक राजनीतिक ड्रामा देखने को मिला, जब बंगाल के मंत्री बाबुल सुप्रियो और बीजेपी सांसद अभिजीत गांगुली आपस में उलझ गए। यह घटना तब हुई जब सुप्रियो हावड़ा स्थित अपने आवास पर वापस जा रहे थे, जब उनके पीछे वाली कार से लगातार हॉर्न बजने से वह नाराज हो गए। सूत्रों ने कहा कि उत्तेजित बाबुल सुप्रियो ने अपना वाहन रोका और अपने पीछे वाली कार के पास आकर अनियमित ड्राइविंग के लिए स्पष्टीकरण मांगा। उन्हें पता चला कि गाड़ी बीजेपी सांसद अभिजीत गांगुली की थी, जो कार में पीछे बैठे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि तनावपूर्ण टकराव हुआ, सुप्रियो ने खतरनाक ड्राइविंग के बारे में मुखर रूप से चिंता व्यक्त की। घटना के वीडियो में पुल पर चल रहे नाटकीय घटनाक्रम के दौरान अभिजीत गांगुली के वाहन के पास भारी भीड़ दिखाई दे रही है। मामला तब और बढ़ गया जब सुप्रियो ने गांगुली पर झगड़े के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। नाराज सुप्रियो ने औपचारिक माफी की मांग करते हुए कहा कि ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है। आसपास मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया और पास में ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों द्वारा जल्द ही स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। इस घटना के बारे में इंडिया टुडे से बात करते हुए, बाबुल सुप्रियो, जो पहले भाजपा में थे, ने कहा कि उन्होंने गांगुली से सिर्फ अपने ड्राइवर को लापरवाही से गाड़ी न चलाने और बार–बार हॉर्न बजाना बंद करने के लिए कहा था।

शाह ने कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां नई दिल्ली नगर पालिका द्वारा निर्मित नए कामकाजी महिला हॉस्टल ब्लाक 'सुषमा भवन' का उध्द्घाटन व मोती बाग में पशु चिकित्सालय का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और नयी दिल्ली की सांसद बाँसुरी स्वराज सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री शाह ने इस अवसर पर कहा कि सुश्री सुषमा स्वराज के नाम से बने इस नए हॉस्टल भवन में रहने वाली बहनों का नाम एक ऐसी नेत्री से जुड़ रहा है, जो भारत में महिला सशक्तीकरण, जागरूकता व संघर्ष के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रही हैं। इस देश का लोकतांत्रिक इतिहास सुषमा जी को संघर्ष करने वाली विपक्ष की नेता के रूप में हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा कि सुषमा जी ने पिछली सरकार

के 12 लाख के घपलों–घोटालों और भ्रष्टाचार का संसद में भंडाफोड़ करने का काम किया था। लोकतंत्र में विपक्ष के नेता के पद के महत्व के उदाहरण के रूप में सुषमा जी को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी विपक्ष के नेताओं को सुषमा जी की कार्यशैली से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुषमा जी ने पूरे देश में महिला सशक्तिकरण की अलख जगाई और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में विदेश मंत्री के नाते देश की जनता की तकलीफों को समझने वाली विदेश मंत्री के रूप में एक जीवंत उदाहरण पेश किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नगर पालिका ने इस भवन के रूप में लगभग 500 कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित निवास की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री मोदी ने भारत के शहरी विकास को नीतिगत आधार देने का काम किया। श्री मोदी ने 'ग्लोबल स्टैंडर्ड फैसिलिटी' पर बल दिया और अर्बन डेवलपमेंट नीति में एक प्रमुख उपकरण के रूप में इसका समावेश किया। मोदी जी ने संचार और सड़क की उत्तम कनेक्टिविटी को अर्बन डेवलपमेंट पॉलिसी का हिस्सा बनाया। श्री शाह ने कहा कि श्री मोदी ने शहरी विकास नीति में ई–गवर्नेंस को प्राथमिकता दी, 100 शहरों को चुनकर स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने का प्रयास किया और स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट में डेटा आधारित दृष्टिकोण को शामिल किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सुरक्षा के लिए कई शहरों में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाए और सीसीटीवी कैमरा के पूरे नेटवर्क को इनके साथ जोड़ा गया।

चुनाव के बाद पानी के ग़लत बिल माफ़ करेंगे : केजरीवाल

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार बनने पर जिन लोगों के पानी के गलत बिल आए हैं, उनके सारे बिल माफ किए जाएंगे। श्री केजरीवाल ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि दिल्ली में हमारी सरकार पिछले 10 साल से लोगों को मुफ्त पानी उपलब्ध करा रही है। हर महीने 20–20 हजार लीटर पानी हर परिवार को मुफ्त दिए जाते हैं। दिल्ली में लगभग 12 लाख से ज्यादा

परिवारों के बिल जीरो आते हैं लेकिन मुझे जेल भेज कर पीछे से पता नहीं क्या किया कि लोगों के हर महीने हजारों– लाखों रुपए के बिल आने लगे। लोग अपने पानी के बिलों को लेकर त्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि हमारे दिल्ली के लोग किसी भी बात से दुखी और परेशान हो हम ये बर्दाश्त नहीं कर सकते। कई मंचों से ऐलान किया है लेकिन आज सार्वजनिक और औपचारिक रूप से ऐलान करता हूं कि जिन लोगों को लगता है कि उनके पानी के बिल गलत आए हैं, उनके हजारों लाखों रुपए के बिल गलत हैं तो उन लोगों को अपने पानी के बिल भरने की जरूरत नहीं है। आप की सरकार बनेगी।

राजनीति का सबसे बड़ा फ्रॉड दिल्ली की महिलाओं से भी कर रहा झूठे वादे-कांग्रेस

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल को राजनीति का सबसे बड़ा फ्रॉड करार देते हुए आज कहा कि जिस तरह से पार्टी को जिताने के लिए पंजाब की महिलाओं से झूठे वादे किए थे वैसे ही लुभावने वादे अब दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भी यहां की महिलाओं से किए जा रहे हैं। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा बरार तथा कांग्रेस के पंजाब के नेताओं ने शनिवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्री केजरीवाल दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के लिए महिलाओं को 2100 रुपये देने का वादा कर रहे हैं। पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनाव के समय महिलाओं को 1000 रुपये देने का वादा किया था लेकिन आज तीन साल होने जा रहे हैं लेकिन पंजाब की किसी महिला को वादे के अनुसार कोई पैसा अब तक नहीं मिला है। श्री बरार ने कहा ष्आम आदमी पार्टी की सरकार

ने पंजाब के लोगों से कई वादे किए थे और अब वहां इस पार्टी की सरकार बने हुए तीन साल होने को हैं लेकिन जनता ने जिन वादों के भरोसे आम आदमी पार्टी को बहुमत दिया पंजाब के लोग आज भी उनसे किये वादों के पूरा होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि वे पंजाब की महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए देंगे। अब ऐसा ही वादा दिल्ली की महिलाओं से किया है। लेकिन जब इन वादों पर पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल से सवाल पूछा तो उन्होंने यह नहीं बताया कि वे इन वादों को पूरा करने के लिए पैसा कहां से लाएंगे, इसके लिए बजट कहां से आएगा।ृ उन्होंने कहा ष्जैसे इस पार्टी की सरकार ने पंजाब की महिलाओं को झांसा दिया, उसी तरह अब चुनाव जीतने के लिए दिल्ली की महिलाओं के साथ धोखा करने जा रही है। हम आज दिल्ली की जनता और महिलाओं से कहना चाहते हैं कि आपको झूठी बातों और झूठे वादों में नहीं आना है। आपको दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनानी है जिसने 15 साल तक दिल्ली की छवि, दिशा और दशा बदली है।ृ पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी को वोट देने की अपील करते हुए कहा ष्कांग्रेस ने जो कहा है वो हमेशा किया है और आज मैं दिल्लीवासियों से बताना चाहता हूं कि पंजाब के सभी नेता चुनावों के समय दिल्ली आएंगे। हम आपको बताएंगे कि कैसे केजरीवाल ने पंजाब के लोगों को धोखा दिया है। जो नेता महिलाओं– बहनों से झूठ बोल सकता है वो क्या कुछ नहीं कर सकता। कांग्रेस की सरकार ने दिल्ली में विकास के काम किए जिसके चलते आज भी दिल्लीवासी पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को याद करते हैं।

हम दिल्ली वालों से कहना चाहते हैं कि अगर आप अच्छी सरकार चाहते हैं तो आम आदमी पार्टी के बहकावे में कभी भी मत आना।ृ उन्होंने कहा ष्राजनीति में सदी का सबसे बड़ा फ्रॉड अरविंद केजरीवाल है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार को तीन साल हेने को हैं।

भाजपा ने दिल्ली में 29 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए अपने 29 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की जिसमें कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वाले बड़े नाम भी शामिल हैं। भाजपा के महासचिव अरुण सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन नामों को स्वीकृति दी है। पहली सूची में आदर्श नगर सीट से राजकुमार भाटिया, रोहिणी से विजेन्द्र गुप्ता, करोलबाग (सु) से भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम, जनकपुरी से आशीष सूद, राजौरी गार्डन से सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, नयी दिल्ली से आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, कालकाजी से मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के खिलाफ रमेश बिधूड़ी, मालवीय नगर से सतीश उपाध्याय और विश्वास नगर से ओमप्रकाश शर्मा प्रमुख नाम हैं।

परमाणु वैज्ञानिक आर. चिदंबरम का मुंबई में निधन, मोदी ने जताया शोक

मुंबई,(एजेंसी)। पोखरण परमाणु परीक्षण में अहम भूमिका निभाने परमाणु वैज्ञानिक एवं केन्द्र सरकार के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का शनिवार को मुंबई के जसलोक अस्पताल में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. चिदंबरम ने जसलोक अस्पताल में तड़के तीन बजकर 20 मिनट पर अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ चिदंबरम के निधन से गहरा दुख व्यक्त किया है।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया, "डॉ. राजगोपाल चिदंबरम के निधन से बहुत दुख हुआ। वह भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख शिल्पियों में से एक थे और उन्होंने भारत की वैज्ञानिक और सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें पूरा देश कृतज्ञता के साथ याद करेगा और उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे।" आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन

चंद्रबाबू नायडू ने वैज्ञानिक डॉ चिदंबरम के निधन पर दुरूख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, " भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग का नेतृत्व करने वाले और हथियारों के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले प्रख्यात परमाणु वैज्ञानिक राजगोपाल चिदंबरम के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ. दो परमाणु परीक्षणों में चिदंबरम की भूमिका यादगार थी, मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।" डॉ. चिदंबरम का जन्म 11 नवंबर, 1936 को चेन्नई में हुआ था। उन्हें भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम में प्रमुख भूमिका के लिये जाना जाता है। उन्होंने 1975 में पोखरण–1 और 1998 में पोखरण–2 के परमाणु परीक्षणों में अहम भूमिका निभाई थी। डॉ. चिदंबरम ने केन्द्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (2001–2018), भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक (1990–1993), परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और भारत सरकार के सचिव।

सम्पादकीय

स्कूली शिक्षाः चिंताजनक तस्वीर

एक ओर तो भारत विश्वगुरु होने का दावा कर रहा है, तो वहीं दूसरी तरह स्कूली शिक्षा में बड़ी गिरावट की रिपोर्ट सामने आ रही है जो बेहद चिंताजनक है। स्वयं केन्द्र सरकार द्वारा जो आंकड़े जारी किये गये हैं वे भारत की भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं– वर्तमान व भावी दोनों ही। कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि ज्ञान के बिना कैसा भारत बनेगा। वैसे तो सम्बन्धित विभाग द्वारा इन आंकड़ों को अब न्यायसंगत बतलाने की कवायद भी जारी है, लेकिन यथार्थ यही है कि शिक्षा के मामले में भारत में बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। स्कूली शिक्षा ही उच्चतर शिक्षा, शोध और यहां तक कि अध्ययन के पश्चात देश को चलाने वाली पीढ़ी के स्तर को भी तय करती है। अगर नयी पीढ़ी का शैक्षणिक स्तर खराब रहा तो, जैसा कि आंकड़े बतला रहे हैं, देश का एक स्याह व निराशाजनक भविष्य ही दिखता है। सरकार को चाहिये कि तमाम मतांतरों को एक तरफ रखकर शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाये। सभी तरह के पूर्वाग्रहों को छोड़कर हर बच्चे को स्कूली शिक्षा, वह भी गुणवत्तायुक्त दिलाना सरकार का पहला कर्तव्य होना चाहिये। शिक्षा मंत्रालय की एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) द्वारा साल 2023–24 की जो रिपोर्ट जारी की गयी है, उसके अनुसार इस वर्ष के दौरान देश भर के स्कूलों में 37 लाख नामांकनों की कमी आई है। यूडीआईएसई नामक यह प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों के आंकड़े एकत्र करता है। उसके अनुसार 2022–23 में 25.17 करोड़ नामांकित विद्यार्थी थे जो 2023–24 में घटकर 24.80 करोड़ हो गये। छात्र 21 लाख और छात्राएं 17 लाख घट गयीं। अल्पसंख्यकों की संख्या 20 फीसदी कम हुई। हालांकि इस विभाग के अधिकारी इन आंकड़ों को तर्कसंगत बताने की कोशिश करते हुए कह रहे हैं कि डेटा संग्रहण प्रणाली में परिवर्तन हुआ है। 2021–22 के पहले तथा अब के आंकड़ों में तुलना नहीं हो सकती और वास्तविक स्थिति अलग है। वे यह भी बतला रहे हैं कि 2030 तक सभी स्तरों तक स्कूली शिक्षा उपलब्ध कराई जायेगी। अन्य तथ्यों तथा विभागीय अधिकारियों द्वारा 2030 से सम्बन्धित तमाम दावों को एक ओर रख दिया जाये, तो भी इन आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि यह स्थिति कोई उम्मीद लेकर नहीं आती।आधुनिक विश्व में शिक्षा का महत्व सभी जानते हैं। बगैर अथवा गुणवत्ताहीन शिक्षा के आधार पर कोई भी व्यक्ति, समाज या देश विकास की कल्पना भी नहीं कर सकता। जो भी देश आज अग्रणी, विकसित और सही मायनों में आधुनिक हैं, वे दरअसल अनिवार्य, सभी की सहज पहुंच वाली तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा व्यवस्था के कारण ही हैं। इसलिये आधुनिक भारत के निर्माताओं ने इस पर बहुत जोर दिया था। वर्षों की गुलामी से बाहर निकले भारत को सीमित संसाधनों व अनेक दुश्वारियों के बावजूद तेजी से विकास की राह पर अग्रसर करने के लिये आधुनिक शिक्षा प्रणाली की बुनियाद रखी गयी थी। देश भर में शासकीय स्कूलों एवं कॉलेजों का जाल बनाया गया। राष्ट्र निर्माताओं की वह ऐसी पीढ़ी–लिखी जमात थी जो उच्च शिक्षित तथा विद्वान थी। इसलिये उसे शिक्षा का महत्व मालूम था। इसी शिक्षा व्यवस्था ने देश को जल्दी ही आधुनिक देशों की पंक्तियों में ला खड़ा किया था। न सिर्फ शालेय शिक्षा बल्कि उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिये भी अल्प समय में कई विश्वविद्यालय, आईआईएम, इंजीनियरिंग, आईआईटी जैसे संस्थान खोले गये थे। इनसे निकले युवाओं ने देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ज्यादातर सरकारों ने इसकी महत्ता को जान–समझकर देश की शिक्षा प्रणाली को बेहतर करने की उत्तरोत्तर कोशिशें कीं लेकिन 2014 में आई भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इसकी जैसी उपेक्षा की, वैसी आजाद मुल्क ही नहीं वरन अंग्रेजी शासनकाल में भी नहीं हुई थी। यह उपेक्षा अनायास नहीं वरन सायास है और हीनभावना से ग्रस्त शासकों द्वारा की गयी है जो पढ़ने–लिखने से दूर तक नाता न रखने वाले हैं। प्रबुद्ध समाज को यह सरकार मानो अपना दुश्मन मानती है। इस मद में सरकार का बजट घटता चला गया है या उसका बड़ा हिस्सा उपयोग में नहीं लाया जाता। दशक भर में देश में बड़ी संख्या में स्कूल बन्द हुए हैं या जरूरी साधनों के बिना खाना–पूरी के लिये चल रहे हैं। एक सुनियोजित चाल के तहत शिक्षा को बेकार साबित करने की कोशिशें की जाती हैं। कभी हार्वर्ड बनाम हार्ड वर्क कहकर विद्वता का मजाक उड़ाया जाता है तो कभी यह कहकर आधुनिक शिक्षा को खारिज किया जाता है कि यह मैकाले की देन है य या फिर भारतीय संस्कृति को नष्ट करने के लिये परम्परागत गुरुकुल खत्म कर दिये गये। इससे भी खतरनाक खेल यह खेला जा रहा है कि युवा पीढ़ी की रुचि ही शिक्षा या ज्ञान प्राप्ति में खत्म की जा रही है। स्कूलों के सिलेबस के जरिये गैर वैज्ञानिक और अतार्किक शिक्षा परोसी जा रही है। साथ ही, युवा व छात्र वर्ग अब शिक्षा में कम राजनीतिक व धार्मिक व्यक्तियों तथा संगठनों के एजेंडों को पूरा करने में व्यस्त है। सियासी व धार्मिक जुलूसों एवं गतिविधियों में नयी पीढ़ी का पूरा समय और ऊर्जा खप रही है। शिक्षा की ओर से यह पीढ़ी स्वयं मुंह मोड़कर सियासतदानों को अवसर दे रही है कि शिक्षा विभाग के खर्चों को कम कर सके। इस बाबत यदि कोई आवाज उठाता है तो उसे सरकार विरोधी या एक विचारधारा के खिलाफ मान लिया जाता है। भारत की बुनियादी शिक्षा कमजोर होती है तो वह सरकार व राजनीतिक दलों के लिये तो लाभदायक है, पर समाज व देश के लिये घातक साबित होगी।

दूरगामी लाभ का निर्णय है जिलों की समाप्ति का निर्णय

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रशासनिक दक्षता और लोकहितकारी सरकार की पहचान जनहित में कड़बे निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करना होता है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासनिक दक्षता का भी इसी से पता चलता है। खासतौर से राजनीतिक लाभ हानि से लिए गए निर्णय से अधिक भला नहीं हो पाता है। राजनीतिक लाभ हानि से जुड़े निर्णयों को बदलना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जोखिम से कम नहीं होता। इस तरह के निर्णय करने में सरकारों को काफी संकोच करना पड़ता है क्योंकि किसी भी निर्णय को बदलते समय राजनीतिक गुणाभाग देखा जाता है और यही कारण है कि कई निर्णय ऐसे होते हैं जिनके लाख चाहने और प्रशासनिक दृष्टि से सही नहीं होने पर भी सरकारें ढ़ोये जाती है। इस मायने में राजस्थान की सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि राजनीतिक दृष्टि से निर्णय लेना मुश्किल व जोखिम भरा होने के बावजूद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के समय के जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण कर 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब प्रदेश में 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण और सांचौर जिला और बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग को समाप्त करने का निर्णय ले लिया। निश्चित रुप से शुरुआत में इसका विरोध होगा, राजनीति से जुड़े लोगों द्वारा हवा भी दी जाएगी पर जब कोई दूरगामी जनहित का निर्णय लिया जाता है तो देर सबेर जनता उसे स्वीकार्य भी कर लेती है। राज्य सरकार द्वारा यही निर्णय नई सरकार बनते ही लिया जाता तो उसके मायने कुछ अलग होते और उस पर राजनीतिक द्वेषता का ठप्पा लगता वह अलग होता। आज भले ही विपक्ष द्वारा इस निर्णय पर प्रश्न उठाये जा रहे हो पर सही मायने में देखा जाए तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक निर्णय है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के नए जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डा. ललित पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित कर परीक्षण करवाया और फिर राजनीतिक स्तर पर मंत्रीमण्डलीय समिति बनाकर सभी पक्षों का अध्ययन कर रिपोर्ट आने पर मंत्रीमण्डल की बैठक में मोहर लगाई गई। इसलिए एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि यह निर्णय किसी भी मायने में जल्दबाजी या राजनीतिक लाभ के लिए ना होकर पूरी तरह से प्रशासनिक दक्षता के लिए लिया गया निर्णय है। ना ही इसे जल्दबाजी में लिया निर्णय कहा जा सकता है। हांलाकि पूर्व सरकार ने नए जिले बनाने के लिए भले ही प्रशासनिक कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्राप्त कर नए जिले बनाने का निर्णय किया पर यह सब अच्छी तरह से साफ हो जाना चाहिए कि चुनाव नजदीक होने के कारण पूर्व सरकार द्वारा नए जिले बनाने के निर्णय को आमलोगों ने पूरी तरह से राजनीतिक निर्णय के रुप में ही देखा गया।

भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चे अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होगी। सरकारी ऑफिस, सरकारी बंगले और ना जाने कितने ही कार्यों के लिए स्थान और आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ ही अधिकारियों–कर्मचारियों की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं और अन्य सेवाएं अलग होगी। हमारे सामने पुराने उदाहरण है जब राजसमंद, प्रतापमढ़, दौसा जिले बनाए गए और करौली व प्रतापगढ़ जिले का गठन किया गया। अब सबके सामने है कि इन जिलों को सही मायने में जिलो का आकार लेने में कितना समय लगा। आज भी कई स्थानों पर फिजिबल नहीं होने के कारण जिला सहकारी बैंक नहीं खुल पाएं है तो कई अन्य सरकारी दफ्तर शुरु नहीं हो पाये हैं। दरअसल जन हितकारी सरकार की पहचान लोकहित में दूरगामी परिणामों को देखते हुए निर्णय लेना होता है। हांलाकि लोकतंत्र में बहुत से निर्णय राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण न चाहते हुए भी लेने होते हैं तो कई बार ऐसा भी लगता है कि ऐन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए इस तरह के निर्णय ले लिए जाते हैं।

प्रशासनिक दक्षता और लोकहितकारी सरकार की पहचान जनहित में कड़बे निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करना होता है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासनिक दक्षता का भी इसी से पता चलता है। खासतौर से राजनीतिक लाभ हानि से लिए गए निर्णय से अधिक भला नहीं हो पाता है। सरकार की प्रशासनिक और लोकहितकारी होने का इसी से पता चलता है कि वह जनहित में जोखिम भरे निर्णय लेने में भी कोई संकोच ना करें। लोकतंत्र में जनता और जनता का हित बड़ी बात होनी चाहिए क्योंकि सरकार द्वारा निर्णयों का असर दूर तक जाता है। कड़बे निर्णय यदि लोकहित में होते हैं तो जनता ऐसे निर्णयों को हाथोंहाथ लेती है। इसलिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सरकार बनने के पहले साल में ही बड़े निर्णय कर सबको चौंका दिया है। राजनीतिक लाभ हानि से परे हटकर मुख्यमंत्री ने 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय व्यापक जनहित में ही देखा जाना चाहिए। आर्थिक विश्लेषकों को मानना है कि सरकार को अपने प्रशासनिक खर्चों को एक सीमा तक रखना चाहिए। हांलाकि सब कुछ जानते हुए भी होता इसके विपरीत ही है। सरकार राजस्व का अधिकांश खर्चा अपने प्रशासनिक दायित्वों वेतन–सुविधाओं में ही खर्च कर देती है वहीं नए जिले और संभाग बनने से प्रशासनिक खर्च बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी बात यह है कि नए जिले या संभाग बनाने के स्थान पर सरकारों को प्रशासनिक सेवाओं में सुधार और डिलीवरी सिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर देना चाहिए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजनीतिक जोखिम लेते हुए प्रशासनिक दृष्टि से सराहनीय निर्णय किया है। इससे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार ने प्रशासनिक दृष्टि से परिपक्वता का परिचय दिया है। हो सकता है कि निर्णय को लेकर विरोध देखने को मिले पर विरोध के खिलाफ भी सरकार को सख्ती दिखानी होगी इससे आमजन में सरकार और सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों को सराहा ही जाएगा। सरकारों को राजनीतिक लाभ हानि के साथ ही व्यापक जनहित को भी ध्यान देना चाहिए और निर्णय लेने में किसी तरह का संकोच नहीं करना चाहिये। आज लोग निर्णय लेने वाली सरकार को पसंद करती है नाकि निर्णयों को टालने वाली सरकार को। इस मायने से भजन लाल शर्मा के एक साल के कार्यकाल का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए क्योंकि यह सरकार निर्णयों की सरकार बन गई है।

पाकिस्तान और तालिबान की दुश्मनी, भारत को चतुराई के साथ उठाना चाहिए इसका फायदा

केएस तोमर

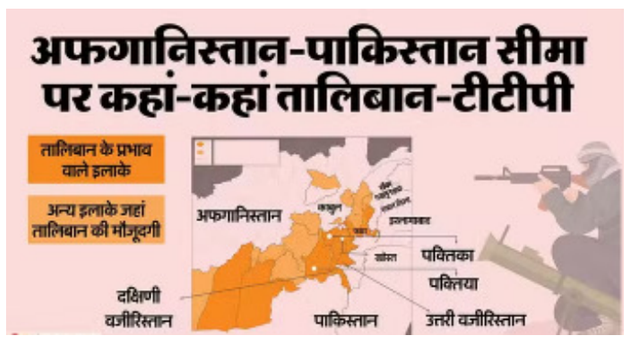

डूरंड रेखा के पास हाल में तालिबान का पाकिस्तान पर जवाबी हमला और 19 जवानों की हत्या पाकिस्तान के जनजातीय क्षेत्र में बढ़ते आतंकवाद की ओर इशारा करता है। इन हमलों से पता चलता है कि इस्लामाबाद का उसकी सीमाओं पर से नियंत्रण कमजोर हो रहा है। साथ ही अफगानिस्तान से समर्थन प्राप्त तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) फिर से उभर रहा है। यह पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक पुनरुद्धार के प्रयासों के लिए गंभीर खतरा है। इससे पाकिस्तान की सेना पर दबाव पड़ेगा और मुल्क की नीतियों के खिलाफ लोगों में असंतोष भड़कने का खतरा है।

इस क्षेत्रीय अस्थिरता से रूस की चिंता भी बढ़ी है, जो उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर रही है। मध्य एशिया मास्को के लिए महत्वपूर्ण बफर जोन है, जो चरमपंथ के प्रसार के लिए संवेदनशील है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को नियंत्रित करने में विफल रहता है, तो इससे उसका रूस के साथ रक्षा सहयोग खतरे में पड़ सकता है। मास्को अस्थिर अफगानिस्तान और पाकिस्तान गठजोड़ को भी क्षेत्र में अमेरिका की घटती भागीदारी के बीच प्रभाव हासिल करने के अपने लक्ष्यों के लिए हानिकारक मानता है। इस अस्थिर स्थिति में सुरक्षा संकट को रोकने के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत है। संबंधित घटनाक्रम में, पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान पर किए गए हवाई हमले में हुई 46 लोगों की मौत से 2025 में भू–राजनैतिक गतिशीलता बदल सकती है, इसका दक्षिण एशिया की नीतियों पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि इससे तालिबान शासन से खुले टकराव की स्थिति पैदा होगी, जिसने क्रूर जवाबी कार्रवाई की। विडंबना यह है कि पाकिस्तान, जिसे आतंकी समूहों का प्रशिक्षक और संरक्षक माना जाता है, अब अपनी ही सीमाओं के भीतरी आतंकवाद का खामियाजा भुगत रहा है और तेजी से अफगानिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंधों की ओर बढ़ रहा है। पाकिस्तान दशकों से कश्मीर घाटी में आतंकी नेटवर्क के जरिये छद्म युद्ध जारी रखे हुए है और अब उसने यही खेल तालिबान के साथ खेलना शुरू कर दिया है, जो उसे भविष्य में काफी महंगा पड़ेगा। दोहा समझौता अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को सुगम बनाने के लिए किया गया था, ताकि अफगान सरकार और तालिबान के बीच शांति वार्ता के लिए माहौल बनाया जा सके। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के तत्कालीन आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज अहमद की काबुल के एक होटल में जश्न मनाने की तस्वीर वायरल हुई थी, क्योंकि उन्होंने इस वार्ता में पाकिस्तान की मध्यस्थता को जीत के रूप में दर्शाया था। पाकिस्तान ने दुनिया को यह दिखाने की कोशिश की कि भारत को इस बातचीत से बाहर रखा गया और अफगानिस्तान भविष्य में उसका सबसे करीबी सहयोगी होगा। लेकिन तालिबान भारत के साथ नजदीकी बढ़ा रहा है। हाल ही में तालिबान शासन ने भारत में अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है, जो अफगानिस्तान पर अधिकार जमाने के बाद कूटनीतिक नजरिये से यह प्रयास उसका महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य भारत के हितों के साथ जुड़ना और दोनों देशों के बीच संचार को बढ़ावा देना है।

पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के नागरिकों पर हमले ने सब कुछ बिगाड़ दिया, जिसके जवाब में तालिबान ने सबसे आक्रामक तरीके से पलटवार किया और दोनों मुल्कों के बीच तनाव और भी बढ़ गया है। दोनों पक्ष एक दूसरे पर क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहे हैं। तालिबान, अपने घरेलू एकीकरण से उत्साहित होकर, पाकिस्तान के प्रभाव का विरोध कर रहा है, जो उनकी पिछली निर्भरता से बदलाव का संकेत है। वहीं, टीटीपी स्थानीय आबादी के बीच सहानुभूति पाने और विदेशी आक्रमण के खिलाफ खुद को रक्षक के रूप में पेश कर हमलों का लाभ उठा सकता है। दोनों पक्षों की ओर से हो रहे हवाई हमलों से हिंसा का चक्र और गहरा सकता है। टीटीपी के ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई करने की अफगानिस्तान की अनिच्छा से पाकिस्तान के साथ उसके संबंध खराब हो सकते हैं और शांति प्रयासों में जटिलता आ सकती है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान की कार्रवाइयों को बढ़ती।

भाजपा से मुकाबले के लिए केजरीवाल ने लिया नरम हिंदुत्व का सहारा

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की शानदार मौजूदगी में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी खो गयी थीं, उस समय जब आतिशी मंत्री थीं और खुद केजरीवाल मुख्यमंत्री। आज भी आतिशी चुनावी अभियान में बहुत प्रभावी नहीं लग रही हैं, जबकि आप के कई अन्य नेता आधिक प्रभावी लग रहे हैं। केजरीवाल का फायदा यह है कि वे जेल गये। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी जेल गये। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी जेल गये। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी जेल गये। आतिशी को ऐसा सम्मान नहीं मिला, लेकिन केजरीवाल का कहना है कि आतिशी पर भी झूठे आरोप लगाये जायेंगे। मुख्यमंत्री पद पर आतिशी एक अस्थायी विकल्प हैं। केजरीवाल बच्चों की कैंडी की तरह फिर मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं! लेकिन इस बार यह आसान नहीं है। जेल की चिड़िया तमगे के कारण केजरीवाल को मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए लगातार तीसरी (चौथी?) जीत मिल सकती है। अरविंद केजरीवाल के पास एक सुरक्षा कवच है, हालांकि यह आप को चुनाव जीतने में कैसे मदद करेगा, यह एक रहस्य है। केजरीवाल ने जो मुद्दे उठाये और वायदे किये हैं, वे बदलाव की ओर इशारा करते हैं। धर्मनिरपेक्ष से केजरीवाल श्नरम हिंदुत्वश की ओर बढ़ गये हैं। अनिश्चितता राजनेताओं को ऐसा कराती है। केजरीवाल अब पहले जैसे आत्मविश्वासी नहीं रहे। दिल्ली चुनाव के इस संस्करण में केजरीवाल संदेह से ग्रस्त हैं। समय की मांग के अनुरूप हिंदुत्व की ओर बदलाव का माहौल मोदी और योगी के पक्ष में है, जिससे केजरीवाल को नरम हिंदुत्व की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आम धारणा के विपरीत, केजरीवाल हिंदुओं के करीब हैं, हिंदुओं के शुभचिंतक हैं और मददगार भी हैं! किसने सोचा होगा कि केजरीवाल द्वारा उठाये गये हिंदू मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी को मुंह की खानी पड़ेगी? आप कुख्यात हिंदुत्ववादी भाजपा से अधिक हिंदू दिखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। नये साल की पूर्व संध्या पर केजरीवाल ने दिल्ली के हिंदू पुजारियों और सिख श्ग्रंथियोंश के लिए 18000 रुपये प्रति माह मानदेय की घोषणा की, अब भाजपा ने इस बारे में क्यों नहीं सोचा, उन्होंने भाजपा को भाजपा शासित राज्यों में भी ऐसा करने की चुनौती दी। क्या दिल्ली मंदिरों और पुजारियों, गुरुद्वारों और ग्रंथियों से भरी पड़ी है? विडंबना यह है कि केजरीवाल की इस योजना की घोषणा तब की गयी जब दिल्ली के मौलाना और मौलवी पिछले 18 महीनों से आप सरकार द्वारा दिये गये श्वेतनश के वितरण न किये जाने का विरोध कर रहे थे। केजरीवाल का मौलाना आउटरीच आप की मुस्लिम–फर्स्ट नीति का हिस्सा था, जिसका मुकाबला भाजपा नहीं कर सकी। आज, भाजपा आप की हिंदू आउटरीच के खिलाफ शिकायत कर रही है। क्या केजरीवाल भाजपा को परेशान कर रहे हैं? क्या अब जब केजरीवाल ने नरम हिंदुत्व का रंग ले लिया है, तो भाजपा अपने हिंदुत्व को लेकर सुरक्षित महसूस नहीं कर रही है? क्या भाजपा के पास श्एक हैं तो सुरक्षित हैंश जैसे नरेंद्र मोदी के नारे और बंटेंगे तो कटेंगे जैसे योगी आदित्यनाथ के नारे जैसे शक्तिशाली हिंदुत्व–प्रतीक नहीं हैं? योगी आदित्यनाथ पिछले सप्ताह दिल्ली में एक जोरदार भाषण देने आये थे। उन्होंने भाजपा समर्थकों की भीड़ से कहा, श्आपकी दिल्ली गंदी है, शीला दीक्षित के कार्यकाल में यह बहुत साफ थी।श श्सुरक्षा और सफाई के लिए गाजियाबाद और नोएडा आइये। केजरीवाल ने नहीं सुना, उन्होंने नये साल की पूर्व संध्या पर भाजपा के साथ मतदाताओं के नाम हटाने और कैश–फॉर–वोट के बारे में आरोप लगाये, जो भाजपा के खिलाफ एक शिकायत थी, जिसे केजरीवाल ने परम पूजनीय मोहन भागवत के पास दर्ज कराया, जो चाहते हैं कि श्सामाजिक सद्भावश के लिए समझदार हिंदू आवाजें प्रबल हों, जो उनके दिल के करीब का विषय है। क्या अरविंद केजरीवाल आरएसएस प्रमुख की चाहत के अनुसार श्भूतश साबित होंगे और हिंदू कट्टरपंथी हुए बिना हिंदुत्व नेता बनेंगे? केजरीवाल हनुमान–भक्त हैं और वह मस्जिद के नीचे शिवलिंग की तलाश करने वाले आखिरी राजनेता होंगे। हनुमान को कभी भी शिव या कृष्ण के साथ नहीं जोड़ा गया है, केवल भगवान राम के साथ जोड़ा गया है। अयोध्या राम मंदिर का पूजा स्थल अधिनियम, 1991 से भी कोई लेना–देना नहीं है। क्या अरविंद केजरीवाल अयोध्या राम मंदिर गये थे? क्या दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने अपने अयोध्या निवास में भगवान राम को नमन किया? पिछले हफ्ते आतिशी ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर दिल्ली में मंदिरों को गिराने का आदेश देने का आरोप लगाया, जिसे सक्सेना ने झूठ बताया। आतिशी पीछे नहीं हटीं, वह आप के नरम–हिंदुत्व को व्यक्त कर रही थीं, जिसके कई अर्थ हैं, जिनमें से एक अक्सर सामने आता है – इन चुनावों में आप की घबराहट। दिल्ली में अजेय समझे जाने वाली आप एक मुद्दे से दूसरे मुद्दे में उलझ रही है। अगर यह बांग्लादेशियों, रोहिंग्या और पूर्वांचलियों के बारे में नहीं है, तो यह पानी और भ्रष्टाचार या महिलाओं को लक्षित करने वाली योजनाओं के बारे में है। अरविंद केजरीवाल यह आभास दे रहे हैं कि वे भीड़–भाड़ और तंगहाली से घिरे हुए हैं, उन्हें इस बात की चिंता है कि पार्टी और उनके लिए क्या होने वाला है। उन्हें एहसास है कि वे जीत के लिए मुसलमानों और मुफ्तखोरी पर पूरा भरोसा नहीं कर सकते! क्या होगा अगर दिल्ली के मतदाता महाराष्ट्र के मतदाताओं और हरियाणा के मतदाताओं और उत्तर प्रदेश के नौ उपचुनावों में मतदान करने वालों की तरह बटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं के लिए वोट करें? समय की भावना हिंदुत्व के पक्ष में है, कम से कम हिंदी–क्षेत्र में और दिल्ली भी हिंदी–क्षेत्र का हिस्सा है। इसका मतलब यह नहीं है कि भाजपा 100प्रतिशत जीत की उम्मीद कर रही है?कथित लाभों के बावजूद, भाजपा पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। उसे नहीं पता कि अरविंद केजरीवाल अपनी चुनावी टोपी से क्या निकालते हैं। अगर केजरीवाल से ज्यादा चुनाव–समझदार कोई राजनेता है, तो उस सज्जन ने अभी तक अपना चेहरा नहीं दिखाया है और अपनी टोपी चुनावी घेरे में नहीं डाली है। इसके अलावा, दिल्ली के मतदाताओं ने मुफ्तखोरी के लिए अपनी लालसा नहीं खोई है। अगर कोई जानता है कि यह कैसे संभव है, तो यह एक अच्छा विचार है। बिना खर्च के जीने के स्वाद को यदि कोई जानता है तो तो वह है दिल्ली का आम मतदाता। दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल और उनके वायदों के आदी हो चुके हैं, चाहे वे वास्तविक हों या खोखले। वह आदमी भले ही दोहरी भाषा बोलता हो और उसका चेहरा दिखावटी हो। लेकिन वह जो कुछ भी कहता या वायदा करता है, वह दिल्ली के मतदाता को अजीब नहीं लगता, चाहे वह भ्रष्टाचार खत्म करने की बात हो या यमुना की खराब स्थिति के लिए माफी मांगने की, केजरीवाल कुछ भी कर सकते हैं!

फ्लाईओवरों के नीचे बनारसी खानपान का लगेगा तड़का

कचौड़ी-जलेबी और मलईयो का मिलेगा स्वाद

वाराणसी। वाराणसी शहर के फ्लाईओवर और आरओबी के नीचे फूड प्लाजा और फूड कोर्ट विकसित किए जाएंगे। इसके लिए नगर निगम की ओर से सर्वे शुरू किया गया है। इन फ्लाईओवरों के नीचे बनारसी खानपान का तड़का लगेगा। इनमें बनारसी कचौड़ी–जलेबी और मलईयो का स्वाद भी मिलेगा। फ्लाईओवरों के नीचे ग्रीन फील्ड एरिया डेवलप किया जाएगा। पाथवे के किनारे बैठने के लिए बेंच, पाथवे विकसित किए जाएंगे। पिलर की पेंटिंग, सीलिंग की पेंटिंग, टू व्हीलर पार्किंग स्थल विकसित होंगे। जरूरत के अनुसार वेंडिंग जोन होंगे। स्टील की रेलिंग और इंटरलाकिंग कराई जाएगी। बनारस आने वाले पर्यटक मंदिर और घाटों के दीदार के साथ बनारसी तड़के का स्वाद भी

जरूर चखते हैं। बनारस में बनने वाले इस बाजार में पर्यटकों के साथ शहर के लोग बनारसी व्यंजनों के स्वाद के लिए कई दुकानों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। पर्यटकों की गाड़ियों को खड़ा करने के लिए पार्किंग की भी व्यवस्था की जाएगी।

क्या बोले अधिकारी

शहर के फ्लाईओवरों और आरओबी के नीचे फूड प्लाजा खोले जाएंगे। यहां पर बनारसी खानपान का स्वाद मिलेगा। इसके लिए सामान्य विभाग को प्रस्ताव बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। –अक्षत वर्मा, नगर आयुक्त

छत की जाली को तोड़कर घर में घुसे चोर, नकदी और आभूषण चोरी

घोसी। पकड़ी खुर्द गांव में बृहस्पतिवार की देर रात चोरों ने बीज बेचने वाले दुकानदार के घर में छत पर बने जाली की रेलिंग को तोड़ घर में घुसकर चोरी की। पीड़ित परिवार ने पुलिस को चोरी की घटना की जानकारी दी। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। जानकारी के मुताबिक पकड़ी खुर्द गांव निवासी सिपाही दंपति अभिषेक मौर्य और रश्मि मौर्य प्रयागराज में तैनात हैं। घर पर चाचा का परिवार रहता है। आरक्षी के चाचा रामलेश मौर्या की घोसी बाजार में बीज की दुकान है। बृहस्पतिवार को घर पहुंचने के बाद भोजन कर परिवार के सभी लोग अपने कमरे में सोने चले गए। उसी रात को चोर घर के आंगन के ऊपर लगी जाली की रेलिंग का तोड़कर घर में घुस गए। इश दौरान नकद, सोने चांदी के आभूषण चोरी कर भाग गए। शुक्रवार की सुबह करीब पांच बजे परिवार की महिला शुभावती देवी जगी तो देखा कि कमरे की दरवाजा खुला था।

वाराणसी में फिर मिला चाइनीज मांझा, पुलिस ने कई जगह मारा छापा, सपा ने निकाला न्याय मार्च

वाराणसी। मंडुवाडीह और रामनगर थाने की पुलिस ने शुक्रवार को तीन अलग–अलग स्थानों पर छापा मार कर 123 कुंतल चीन का मांझा बरामद किया। प्रतिबंधित जानलेवा मांझे के साथ पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मंडुवाडीह थानाध्यक्ष भरत उपाध्याय ने बताया कि सूचना मिली थी कि लहरतारा बौलिया इलाके में पतंग बेचने वाले दो दुकानदार चीन का मांझा बेच रहे हैं। इस सूचना के आधार पुलिस टीम के साथ बौलिया लहरतारा इलाके में छापा मारा गया। लहरतारा बौलिया निवासी मनील गुप्ता और अनिल गुप्ता के पास से तीन बोरी में 92.5 किलोग्राम चीन का मांझा बरामद हुआ।

दोनों दुकानदार भाइयों को मांझे के साथ गिरफ्तार किया गया है। उधर, रामनगर थानाध्यक्ष राजू सिंह ने बताया कि कबीरपुर

सुल्तानपुर में 23 किलो चाइनीज मांझा बेचते हुए एक आरोपी को पकड़ा गया है।

आरोपी की पहचान चंदौली जिले के मुगलसराय थाने के कबीरपुर निवासी अभिषेक कुमार गुप्ता के रूप में हुई है। इसी तरह से साहित्यनाका स्थित पान की दुकान में रोहित गुप्ता चीन का मांझा बेचते हुए पकड़ा गया। उसके पास से साढ़े चार किलो चीन का मांझा बरामद किया गया है।

रेस्टोरेंट में वाशरूम इस्तेमाल को लेकर युवती की पिटाई

वाराणसी। अस्सी स्थित एक रेस्टोरेंट में वाशरूम का उपयोग और 20 रुपये की मांग को लेकर युवती और उसके भाई–बहन की पिटाई कर दी गई। युवती का आरोप है कि काउंटर पर बैठे मैनेजर ने बाल पकड़कर खींचा और भाई की पिटाई की। युवती ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया। सारनाथ थाने क्षेत्र के पहड़िया श्रीनगर कालोनी फेज–3 की रहने वाली श्वेता यादव ने बताया कि वह अपने भाई–बहन के साथ अस्सी गई थी। वाशरूम का उपयोग के लिए एक रेस्टोरेंट में गई। निकलते वक्त रेस्टोरेंट के मैनेजर ने 20 रुपये मांगे। इस पर फुटकर नहीं होने पर 500 का नोट भाई ने दिया। मैनेजर ने कहा कि 20 नहीं बल्कि 50 रुपये लगेंगे। भाई ने इस बात का विरोध किया तो सभी ने पिटाई कर दी। तीन व्यक्तियों ने मेरा बाल पकड़कर खींचा।

लोगों से पैसे ठग कर शेयर मार्केट में करते थे निवेश

सारनाथ। निवेश करने पर कम समय में ज्यादा मुनाफा दिलाने और नौकरी लगवाने का झांसा देकर 34 लोगों से लगभग तीन करोड़ रुपये ठगने के दो आरोपियों को शुक्रवार को सारनाथ थाने की पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। अदालत ने दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने कहा कि वह लोगों से पैसे लेकर शेयर मार्केट में लगाते थे। साल भर से उन्हें लगातार घाटा हो रहा था। इस वजह से वह किसी के पैसे लौटा नहीं पा रहे थे। इसीलिए छिप कर रह रहे थे। सारनाथ थाने की पुलिस ने बृहस्पतिवार को मवैया स्थित सिद्धि अपार्टमेंट में रहने वाले अवधेश कुमार और शक्तिपीठ कॉलोनी, बरईपुर निवासी चंद्रमणि कुशवाहा को ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया था। दोनों के पास तीन फर्जी आधार कार्ड और एक आईडी कार्ड बरामद हुआ है। सारनाथ थाने की पुलिस की पूछताछ में अवधेश ने बताया कि वह मूल रूप से जौनपुर के राजेपुर गांव का रहने वाला है। वह लोगों को एसएमआईएफएस लिमिटेड कंपनी की आईडी दिखा कर निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करता था। आश्वस्त करता था कि कम से कम समय में वह ज्यादा से ज्यादा मुनाफा दिलाएगा। इस काम में उसका सहयोग चंद्रमणी कुशवाहा करता था। लोग जो निवेश करते थे वह पैसे दोनों आपस में बांट लेते थे। उधर, इस संबंध में एसीपी सारनाथ डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि जितने भी लोगों के साथ दोनों आरोपियों ने ठगी की है, उन सभी का बयान विवेचना में शामिल कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सेना में नौकरी दिलाने का झांसा देकर चार युवकों से 30 लाख की धोखाधड़ी

वाराणसी। सेना में नौकरी दिलाने का झांसा देकर चार युवकों से 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। जालसाज ने नवयुवकों को कैंट छावनी स्थित नेहरू पार्क के समीप फर्जी नियुक्ति पत्र भी दे दिया। नियुक्ति पत्र लेकर युवक सेना के कार्यालय पहुंचे तो जालसाजी की पोल खुली। पीड़ितों ने शुक्रवार को कैंट थाने में नामजद के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य आरोपों में केस दर्ज कराया। जौनपुर के मड़ियाहू बुजुर्गा निवासी अवधेश यादव ने बताया कि वह 2019 में मड़ियाहू पीजी कॉलेज से एनसीसी कोर्स किया। कोर्स के दौरान उसकी जान पहचान आजमगढ़ के अमीरपुर सिहुका निवासी सूरज यादव से हुई। इस दौरान सूरज ने आर्मी सिविलियन पोस्ट (चतुर्थ श्रेणी) मद्रास कोर में नौकरी दिलाने की बात कही। उसने खुद को वहां पोस्टेड बताया। सूरज ने 7.50 लाख की मांग की। सूरज के दिए हुए बैंक खातों में रकम ट्रांसफर किया। सूरज यादव की बातों में आकर अपने तीन अन्य दोस्तों अमित कुमार पाल निवासी जमालापुर जौनपुर, अभिषेक पाल निवासी लगधरपुर जौनपुर और नितिश यादव निवासी लगधरपुर जौनपुर से भी बात की और तीनों ने नौकरी पाने की लालच में 7.50 लाख रुपये के हिसाब से कुल 30 लाख रुपये सूरज के बताए खाते में ट्रांसफर कर दिए। कुछ दिनों बात सभी चारों दोस्त विभाग पहुंचे तो मालूम चला कि ऐसा कोई पद या वैकेंसी नहीं है। ऐसे में जब पीड़ितों ने मुकदमा दर्ज कराने को कहा तो आरोपी ने आठ अगस्त को फर्जी नियुक्ति पत्र पकड़ा दिया। इस लेटर को लेकर जब सेना के कार्यालय पहुंचे तो पता चला कि ये सब फर्जीवाड़ा और कूटरचित नियुक्ति पत्र है। जब पैसा वापसी का दबाव बनाया तो आरोपी ने मोबाइल बंद कर दिया और संपर्क से बाहर है। कैंट पुलिस के अनुसार मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

20 दिन में 23 लोगों ने लगवाया सौर ऊर्जा संयंत्र, 550 ने की मांग

मऊ। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को लेकर 20 दिन से 23 और लोगों ने इसका लाभ उठाया है, लेकिन वित्त वर्ष के 9 माह बाद भी 16 हजार लक्ष्य के सापेक्ष महज 123 लोगों ने ही इसका लाभ उठाया है। इसकी वजह जागरूकता की कमी मानी जा रही है। गैर–परम्परागत ऊर्जा विकास एजेंसी (नेडा) का दावा है कि लक्ष्य पूरा करने के लिए विभागवार लक्ष्य को बांट कर योजना के प्रति अब डोर टू डोर जाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके चलते अब तक 550 लोगों ने लगवाने के लिए वेंडरों से मांग की है। लोगों तक योजना की जानकारी न होने के चलते अब तक 123 लाभार्थियों ने इस योजना का लाभ लिया है। नेडा के प्रभारी और नगर पालिका ईओ दिनेश कुमार ने बताया कि एसडीएम सदर 700, मधुबन 400, घोसी 500, मुहम्मदाबाद गोहना 500 के साथ नौ ब्लाकों के सभी बीडीओ 3600 तो डीआईओएस 800, बीएसए 800, डीपीआरओ 800 के साथ तीनों बिजली निगम के अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण 2000 का लक्ष्य दिया गया है। इसके साथ ही 10 नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी 5000 के साथ नगर पालिका ईओ को 900 का लक्ष्य तय किया गया।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

शिकारगंज। चकिया अहरौरा मार्ग पर मुडहुआ दक्षिणी गांव स्थित गढ़वा घाट आश्रम के पास शुक्रवार की देर शाम वाहन के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं बाइक पर बैठा दूसरा युवक जख्मी हो गया। लठिया गांव निवासी युवक चंदौली से अपने गांव जा रहा था। चकिया कोतवाली के लठिया गांव निवासी मंगल राम का एकलौता पुत्र अभय (22) की शादी एक वर्ष पहले हुई थी। शुक्रवार को अभय अपने रिश्तेदार सूरज (25) के साथ बाइक से चंदौली गया था। देर शाम अभय अपने घर वापस जा रहा था। बाइक पर सूरज पीछे बैठा ठा। अभी वे मुड़हुआ दक्षिणी गांव स्थित गढ़वा घाट आश्रम के समीप पहुंचे थे कि दूसरी तरफ से आ रहे तेज वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक सवार अभय सड़क पर गिरा और सिर में चोट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं सूरज गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद जब तक लोग जुटते टक्कर मारने वाला वाहन वहां से निकल गया।

बालिका के अपहरण-हत्या मामले में नौवें दिन चार्जशीट दाखिल

वाराणसी। रामनगर थाना क्षेत्र के सूजाबाद में आठ वर्षीय बालिका का अपहरण कर हत्या मामले में पुलिस ने वारदात के नौवें दिन शुक्रवार को चार्जशीट दाखिल कर दी। विवेचक ने 70 पन्नों की चार्जशीट में 27 लोगों के बयान, पांच सीसी कैमरों की फुटेज, आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त पत्थर और घटनास्थल से मिले साक्ष्य को आरोपी के खिलाफ मुख्य आधार बनाया है। रामनगर थाना क्षेत्र के सूजाबाद इलाके के एक ऑटो चालक की आठ वर्षीय बालिका गत 24 दिसंबर की शाम अपने घर से मच्छर मारने वाली अगरबत्ती लेने निकली थी। इसके बाद वह लापता हो गई थी। 25 दिसंबर की सुबह उसका शव एक बोरे में बहादुरपुर प्राथमिक विद्यालय के परिसर में मिला था। इस मामले में पुलिस ने 25 दिसंबर की आधी रात बाद सूजाबाद निवासी इरशाद को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, दुष्कर्म में असफल रहने पर और खुद की करतूत उजागर होने के डर से इरशाद ने बालिका की गला दबा कर हत्या की थी। इसके बाद उसके सिर पर वजनी पत्थर से चार बार वार किया था। मुकदमे के विवेचक और रामनगर थानाध्यक्ष राजू सिंह ने बताया कि घटनास्थल से मच्छर मारने वाली अगरबत्ती और लड़की के शर्ट का बटन मिला था। आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त पत्थर बरामद किया गया। बालिका के हाथ में इरशाद के खरोंच के निशान मिले हैं। सूजाबाद इलाके के लोगों ने भी बयान दिया है। बताया है कि सनकी किस्म का इरशाद इलाके की लड़कियों के साथ ही लड़कों से भी शारीरिक अभद्रता करता रहता था। आरोपी ने भी अपना गुनाह कबूल किया है। इन्हीं सब आधार पर उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। जनपद न्यायाधीश की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध किया गया कि मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो। इंस्पेक्टर राजू सिंह ने कहा कि हम अपने पास उपलब्ध साक्ष्य और तथ्यों के आधार पर अदालत में प्रभावी तरीके से मुकदमे की पैरवी करेंगे। आरोपी को फांसी की सजा हो, इसके लिए पुलिस के स्तर से हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

तिब्बिया कालिज में लिंग भेदभाव पर व्याख्यान आयोजित

अलीगढ (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की भेदभाव विरोधी अधिकारी और इलाज बित–तदबीर विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर आसिया सुल्ताना ने यूनानी चिकित्सा संकाय में 'लिंग भेदभाव' पर व्याख्यान दिया, जिसमें नव प्रवेशित विद्यार्थियों को किसी भी आधार पर भेदभाव से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूक किया गया। प्रोफेसर सुल्ताना ने विश्वविद्यालय में लिंग संबंधी माहौल पर विस्तार से बताया और इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय में समावेशिता की मजबूत परंपरा है और किसी भी स्तर पर लिंग या किसी भी अन्य प्रकार के भेदभाव के प्रति शून्य–सहिष्णुता की नीति का सख्ती से पालन किया जाता है।

डायल 112 के रिस्पॉन्स टाइम में हुआ सुधार, 7.13 मिनट में पहुंच रही गाड़ी

वाराणसी। डायल–112 लगातार अपने रिस्पॉन्स टाइम में सुधार कर रही है। दिसंबर महीने में रिस्पॉन्स टाइम 7.13 मिनट पर आ गया है। पूरे प्रदेश में जिला 35वें स्थान पर है। जबकि नवंबर में 7.25 मिनट के साथ प्रदेश में 36वें स्थान पर था। अक्तूबर माह में 7.30 मिनट में गाड़ी घटनास्थल पर पहुंच रही थी। शासन की तरफ से सभी जिलों में डायल 112 को लगातार अपना रिस्पॉन्स टाइम कम करने का आदेश आया है। डायल–112 के अधिकारी के अनुसार, 60 फीसदी मामले जमीन पर कब्जा, दीवार गिराने, दूसरे के जमीन पर निर्माण और रास्ता निकालने के होते है। 25 फीसदी पड़ोस में चोरी, छिनैती के अलावा 10 फीसदी मामले छेड़खानी और पांच फीसदी सड़क हादसे समेत अन्य के होते हैं। सबसे अधिक जमीन संबंधी मामले होते हैं। लखनऊ से सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने के बाद केस को स्थानीय पुलिस को सौंपा जाता है। इसे लगातार हाईटेक बनाया जा रहा है। डायल 112 के प्रभारी देवेंद्र सिंह पाल ने बताया कि रिस्पॉन्स टाइम को लगातार सुधारा जा रहा है। शासन की तरफ से लगातार निगरानी भी की जा रही है। जल्द ही रिस्पॉन्स टाइम और कम होगा। हमारी प्राथमिकता होती है कि जल्द से जल्द लोगों तक सहायता पहुंचाई जाए।

इस तरह की डायल 112 पर आती है कॉल

जमीन विवाद, मोबाइल चोरी, छिनैती, नाली विवाद, घरेलू हिंसा, सड़क हादसा, आगलगी, छेड़खानी, अकेली महिला को गंतव्य तक छोड़ना।

रेलवे बनाएगा नौ अस्थायी चौकियां, 20 कैमरे लगेंगे, 5 क्विक रिस्पांस टीमें गठित

मऊ। प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ को लेकर जिला प्रशासन के साथ रेलवे प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं। मऊ जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नौ अस्थायी चौकियां बनाई गई हैं, पांच क्विक रिस्पांस टीम गठित की गईं हैं। साथ ही 20 से ज्यादा अतिरिक्त सीसी कैमरे लगाने की कवायद के साथ अतिरिक्त बल की मांग गई है। आरपीएफ प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि कुंभ के दौरान आपात स्थिति से निपटने के लिए आपातकालीन प्रबंधन योजना के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए एक क्विक रिस्पांस टीम, फायर फिटिंग टीम, स्पेशल वुमन स्क्वाड भी तैनात रहेगी। यह टीम द्रुत गति से कार्य करने, संबंधित स्थल पर मिनटों में पहुंचने और हर तरह के हालात से निपटने के लिए प्रशिक्षित है। वहीं मऊ जंक्शन पर निगरानी के लिए सर्कुलेटिंग एरिया में और 15 हाई कैपेसिटी क्षमता के सीसी कैमरे लगाए जाने हैं। इसके अलावा पंद्रह और जवानों की मांग की गई है। जीआरपी एसओ ने बताया कि प्रमोद कुमार शुक्ला ने बताया कि महाकुंभ को लेकर 54 अतिरिक्त जवान तैनात किए जाएंगे। यह नौ अस्थायी जीआरपी पुलिस चौकी दोहरीघाट, पिपरीडीह, जखनिया, सादात, किडिहरापुरा, सारनाथ, बेल्थरारोड, इंदारा में तैनात होंगे।

प्रो. सरताज तबस्सुम एएमयू पूर्व छात्रों की मामलों की समिति के नए अध्यक्ष नियुक्त

अलीगढ़ (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर सरताज तबस्सुम को तत्काल प्रभाव से दो साल या अगले आदेश तक पूर्व छात्रों की मामलों की समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रो. तबस्सुम लगभग 35 वर्षों से रसायन विज्ञान में अध्यापन और शोध में लगे हुए हैं और इस अवधि के दौरान उनके उच्च प्रभाव कारक वाले प्रतिष्ठित सहकर्मी–समीक्षित पत्रिकाओं में 181 शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उनके नाम 4840 उद्धरण हैं और उनका एच–इंडेक्स 38 है। भारत में एक और अमेरिका में 2 सहित तीन पेटेंट उन्हें शक्तिशाली मेटालो–ड्रग एंटीकैंसर उम्मीदवारों पर दिए गए हैं। उनके रुचि के शोध क्षेत्रों में औषधीय अकार्बनिक रसायन विज्ञान और 'कैंसर कीमोथेरेपी के लिए अनुरूपित मेटालो–ड्रग संस्थाओं का डिजाइन और संश्लेषण' शामिल हैं। उन्होंने टीडब्लूएएस (इटली), सीएसआईआर, डीबीटी, भारत सरकार द्वारा दी गई परियोजनाओं सहित कई शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है।उन्हें 2005 में डीबीटी, भारत सरकार द्वारा 'ओवरसीज एसोसिएटशिप अवार्ड' और 2022 में इंडियन काउंसिल ऑफ केमिस्ट्स (आईसीसी) द्वारा 'प्रो. डब्ल्यू. यू. मलिक मेमोरियल अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कैमरिनो विश्वविद्यालय, इटली, यूएसएम मलेशिया और यूएसटीसी, हेफेई, चीन के साथ कई समझौता ज्ञापनों और संयुक्त अनुसंधान सहयोगों पर हस्ताक्षर किए हैं और 2019 में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के साथ लीडरशिप एकेडमिशियन प्रोग्राम (लीएपी) पूरा किया है। वे वर्तमान में विज्ञान संकाय के डीन के रूप में भी कार्यरत हैं।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने एएमयू का दौरा किया

अलीगढ़ (यूएनएस)। टोक्यो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर टोमोको मोरीकावा के नेतृत्व में एक जापानी प्रतिनिधिमंडल ने जापान सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस के तत्वावधान में जापानी सरकार द्वारा वित्त पोषित एक संयुक्त कार्यक्रम की संभावनाओं का पता लगाने और चर्चा करने के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के उन्नत अध्ययन केंद्र का दौरा किया। जापानी प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में टोक्यो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रयुतो शिमादा और टोक्यो के ओचनोमिजू विश्वविद्यालय के डॉ. नाओफुमी एबीई शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत में एएमयू की कुलपति प्रोफेसर नईमा खातून ने एएमयू और जापानी विश्वविद्यालयों के बीच संयुक्त शैक्षणिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। प्रोफेसर मोरिकावा विद्वानों के जापानी पक्ष का नेतृत्व करेंगे। भारतीय विद्वानों का नेतृत्व करने वाले इतिहास विभाग के प्रोफेसर इशरत आलम ने बताया कि संयुक्त कार्यक्रम के तहत अगले तीन वर्षों में सेमिनार, सम्मेलन और पैनल चर्चाएं आयोजित की जाएंगी।उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी के पुस्तकालय और मौलाना आजाद पुस्तकालय में स्रोतों के प्रभावशाली संग्रह को देखा, जहां विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर निशात फातिमा ने उनका स्वागत किया और उन्हें दुर्लभ संग्रह अनुभाग का भ्रमण कराया।

मिठाई की दुकान पर लगी आग, शॉर्ट सर्किट के चलते हुआ हादसा

आगरा (यूएनएस)। आगरा के फतेहाबाद कस्बे में स्थित एक स्वीट हाउस की दुकान में आग लग जाने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। घटना के पीछे शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक दुकान का सारा सामान मिठाई, फर्नीचर आदि जलकर राख हो गया। आग लगने से मिठाई व्यवसायी को लाखों का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार फतेहाबाद के आगरा रोड पर बीकानेर स्वीट हाउस नाम की एक दुकान है। उसके ऊपर एलआईसी का कार्यालय है। शुक्रवार तड़के करीब 5.30 बजे दुकान में से अचानक धुआं उठने लगा। दुकान के अंदर दो कर्मचारी सोए हुए थे। पड़ोसियों ने जब धुंआ उठता देखा तो किसी तरह कर्मचारियों को आवाज दी, तब वह बाहर निकले। इसके बाद देखते ही देखते पूरी दुकान को आग ने अपने आगोश में ले लिया। दुकान धूं धूं कर जलने लगी। दुकान में रखा समान और फर्नीचर जलकर राख हो गया। दुकान में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है।

मकर संक्रांति पर सुबह से ही होगा स्नान और दान

वाराणसी। भगवान सूर्य की आराधना का महापर्व मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाया जाएगा। सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण होंगे और इसके साथ ही धनु से मकर राशि में प्रवेश करेंगे। काशी के पंचांगों में भेद के कारण कहीं सुबह तो कहीं दोपहर के बाद सूर्य का राशि परिवर्तन हो रहा है। ज्योतिषियों के अनुसार मकर संक्रांति का पुण्यकाल पूरे दिन भर रहता है इसलिए सुबह से ही स्नान और दान कर सकते हैं। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. अमित कुमार शुक्ल ने बताया कि विश्वविद्यालय के पंचांग के अनुसार सूर्य का धनु राशि से मकर में गोचर दिन में 8रू20 बजे से होगा। इसलिए सूर्योदय से सूर्यास्त तक पुण्यकाल मिलेगा। ज्योतिषाचार्य ऋषि द्विवेदी ने बताया कि ऋषि पंचांग के अनुसार इस बार ग्रहराज सूर्य का धनु से मकर राशि में प्रवेश 14 जनवरी को दिन में 3रू27 बजे होगा। सूर्य के प्रवेश करने के बाद आठ से 16 घंटा पुण्य काल। इसलिए 14 जनवरी को मकर संक्रांति मनाई जाएगी।

पीआरडी जवानों ने होमगार्ड के बराबर मांगा भत्ता

चंदौली। जनपद के पीआरडी जवानों ने पांच सूत्रीय मांग को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। जवानों ने शासन पर उदासीनता का आरोप लगाया। जवानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। पत्रक में पीआरडी जवानों ने शासन से होमगार्डों के बराबर ड्यूटी भत्ता देने की मांग की। इस दौरान बैजनाथ रस्तोगी ने कहा कि सरकार की दोहरी नीतियों के चलते पीआरडी जवानों को कई तरह की दिक्कतों का सामना पड़ रहा है। इससे पीआरडी जवानों में आक्रोश है। कहा कि पीआरडी का गठन 1948 में किया गया है। जबकि होमगार्ड आदि अन्य प्रादेशिक सुरक्षा संस्थाओं का गठन इसके बाद किया गया है। लेकिन सरकार की दोहरी नीतियों से पीआरडी बहुत पीछे रह गई है। पीआरडी जवान होमगार्ड के बराबर ही कार्य करते हैं। लेकिन उनके मुकाबले लगभग आधी ड्यूटी भत्ता दिया जाता है

कमरे में फंदे से लटकता मिला मजदूर का शव

पीडीडीयू नगर। बबुरी थाना के उतरौत गांव स्थित एक पशु आहार बनाने वाली फैक्टरी परिसर के आवास में शुक्रवार को एक मजदूर का शव का फंदे से लटकता मिला। इससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फैक्टरी में नसीर अली निवासी माधोपुरमती थाना फतेहगंज बरेली काम करता था। शुक्रवार को वह फैक्टरी में नहीं आया तो उसके साथी उसके कमरे पर गए तो देखा उसका शव फंदे से लटक रहा है। साथियों ने इसकी सूचना फैक्टरी मैनेजर और पुलिस को दी। नसीर के पिता अजमत अली ने वेल्डिंग करते समय करंट की चपेट में आने से मौत की बात कही है। इस संबंध में बबुरी थानाध्यक्ष बिंदेश्वर प्रसाद पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

जनसुनवाई में समस्या सुन मौके पर पहुंचे प्रभारी मंत्री, जल निगम को लगाई फटकार

वाराणसी। पीएम के संसदीय कार्यालय में शुक्रवार को जनसुनवाई के दौरान रविंद्रपुरी कल्याण समिति के सदस्यों की समस्या सुनकर प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी के साथ रविंद्रपुरी पहुंचे। यहां सीवर लाइन की गड़बड़ी से होने वाली परेशानी को देखा। मंत्री ने जल निगम के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि 15 दिनों में काम पूरा करें। उन्होंने जल निगम को हिदायत दी कि जनता को कोई तकलीफ न हो इसका पूरा ख्याल रखें। समिति के अध्यक्ष अनुज डिडवानिया, संरक्षक उमाशंकर अग्रवाल, डॉ. मोहिनी झवर, उपाध्यक्ष प्रकाश सोनेजा, अनिल झंवर ने सीवर लाइन की गड़बड़ी बताई। महामंत्री अंकुर अग्रवाल और मोहिनी झंवर और अमृता शाही ने अवैध पार्किंग और अवैध दुकानों से हो रही दिक्कतों के बारे में बताया।

15 हजार युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य

वाराणसी। जिला प्रशासन की ओर से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान करौंदी में 4 और 5 जनवरी को काशी सांसद रोजगार मेला लगेगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जा रहे हैं। इसमें 300 कंपनियों के प्रतिनिधि आएंगे। इसमें 15,000 युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। युवाओं को 1,80,000 से 6,00,000 तक का सालाना पैकेज मिलेगा। शुक्रवार तक 23,564 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। पिछले साल 11,200 युवाओं को रोजगार मिला था। अभ्यर्थी तमहपेजमत.ीपेंदेंकतवरहंतउमसं. बवउ पोर्टल पर निशुल्क पंजीकरण करा सकते हैं। रोजगार मेला प्रभारी दीप सिंह ने बताया कि मेले में कक्षा 8, हाईस्कूल, इंटर, आईटीआई, डिप्लोमा, नर्सिंग, फार्मेसी, स्नातक, परास्नातक, बीबीए, एमबीए, बीटेक, एमटेक पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। मेले में शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइट फोटो, बायोडाटा और आधार साथ लाना अनिवार्य है।

गूगल से नंबर खोज कर कॉल करने पर 1.75 लाख की चपत लगी

वाराणसी। गूगल से कस्टमर केयर का नंबर खोज कर कॉल करने पर लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र की एक महिला को 175280 रुपये की चपत लग गई। महिला की तहरीर पर लालपुर पांडेयपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आवास विकास कॉलोनी, दौलतपुर में रहने वाली कैसर जहां ने पुलिस को बताया कि उनका ब्लोअर खराब हो गया था। उन्होंने गूगल से कंपनी का कस्टमर केयर नंबर खोज कर फोन किया। कॉल रिसीव करने वाले ने फोन–पे से रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहा।

एनडीआरएफ टीम ने मेगा मॉक अभ्यास किया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीआरएफ ने प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने मेगा मॉक अभ्यास में भाग लिया। इस अभ्यास का उद्देश्य प्रयागराज मेला प्राधिकरण, जिला प्रशासन, एसडीआरएफ, पुलिस, जल पुलिस, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, और अन्य महत्वपूर्ण एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना था। इस मेगा मॉक अभ्यास में एनडीआरएफ की सभी विशेष टीमों (फ्लड वॉटर रेस्क्यू,

कॉलैप्स्ड स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू, और केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल एवं न्यूक्लियर आपदाओं की प्रतिक्रिया टीम) ने श्री मोहसिन शहीदी, उप महानिरीक्षक (प्रचालन) के मार्गदर्शन और श्री मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक (नोडल अधिकारी एनडीआरएफ), के दिशा–निर्देशन में भाग लिया।अभ्यास के दौरान महाकुंभ मेला क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों में संभावित आपदा परिदृश्यों का अभ्यास किया गया, जिनमें नदी में डूबने की घटना, भगदड़, पीपा पुल से श्रद्धालुओं का गिरना, नदी में यात्री नाव का पलटना, आग लगने की घटना, रेलवे स्टेशन पर भगदड़ और CBRN (केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर) आपात स्थिति शामिल थीं। आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए एनडीआरएफ टीमों को तुरंत सूचित किया गया। घटनास्थल पर पहुंचते ही टीमों ने प्रारंभिक आकलन किया और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। एनडीआरएफ टीमों ने विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर गंभीर रूप से घायलों को सुरक्षित निकाला। मेडिकल एजेंसियों ने प्राथमिक उपचार प्रदान किया और पीड़ितों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए अस्पताल भेजा। इस पूरे अभ्यास के दौरान इंसिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम (IRS) के दिशा–निर्देशों का सख्ती से पालन किया गया। अभ्यास के उपरांत सभी हितधारकों, जैसे नागरिक पुलिस, जल पुलिस, यातायात पुलिस, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ, और चिकित्सा विभाग, ने अपने कार्यों की समीक्षा की और भविष्य की तैयारियों की प्रतिबद्धता दोहराई। उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा (नोडल अधिकारी एनडीआरएफ) ने कहा, महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन में सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। एनडीआरएफ की 20 टीमों को महाकुंभ के दौरान तैनात किया गया है।

सनातनधर्मियों के कल्याणार्थ मेले में होंगे महानुष्ठान–शंकराचार्य अधोक्षजानंद

महाकुंभ नगर। श्री आद्य शंकराचार्य धर्मोत्थान संसद के महाकुंभ नगर में हर्षवर्धन रोड, सेक्टर 18 स्थित महाकुंभ शिविर का मंत्रोच्चार के बीच शनिवार को भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर पूर्वाम्नाय गोवर्धनमठ पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने कहा, संगम की रेती पर विश्व कल्याण विशेष कर बांग्लादेश के सनातनधर्मियों की रक्षा एवं उनके कल्याण के लिए अनेक अनुष्ठान किए जाएंगे। सनातन धर्म एवं संस्कृति की रक्षा तथा संवर्धन में महाकुंभ का योगदान महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान साधु–संत विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विषयों पर चिंतन–मनन कर समाज को दिशा निर्देश

देंगे। शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने कहा, महाकुंभ में साधु–संत विभिन्न विषयों पर विचार मंथन के साथ राष्ट्र को संदेश देंगे। उन्होंने कहा, श्रद्धा एवं भक्ति का यह आध्यात्मिक समागम पूरी दुनिया में अनोखा है। यही सनातन संस्कृति की विशेषता है। उन्होंने भव्य एवं दिव्य महाकुंभ की अद्भुत तैयारियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की प्रशंसा की। साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि इस बार का महाकुंभ अविस्मरणीय होगा। धर्मोत्थान संसद के महाकुंभ मेला शिविर में कई धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रवचन के अतिरिक्त अखंड भंडारे का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय निर्मोही अनी अखाडा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महंत राजेंद्र दास, यज्ञ सम्राट संत श्री बालक योगेश्वर दास, दिगम्बर अनी अखाड़े के श्री महंत रामकिशोर दास शास्त्री, जूना अखाडा के महंत मनोहर पुरी जी महाराज दंडी स्वामी प्रबन्धन समिति के प्रवक्ता ब्रम्हस्वरूपआश्रम जी स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य, राज्य सूचना आयुक्त पदुम नारायण द्विवेदी, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अमरेंद्रनाथ सिंह, श्रंगवेरपुर रामायण समिति के अध्यक्ष बालकृष्ण पाण्डेय, कमलाकांत मिश्र उपस्थित रहे ।

उत्तर मध्य रेलवे
गैर हाजिरी सूचना

श्री रामू पुत्र श्री कन्हई लाल, पदनाम- ट्रैकमेन्टेनर-IV, अधीन - वरि0 खण्ड अभियंता / पी.वे. / 30 म0 रे0/ भरवारी, स्थाई पता- 67, गढ़वा, महिला ग्राम, सुबेदारगंज, गयासुद्दीनपुर उपरहार, थाना-धूमनगंज, जिला-प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, कि आप दिनांक-**02.02.2024** से अपनी ड्यूटी में बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित चल रहे हैं, जिसके सापेक्ष में रेल नियम के अन्तर्गत मानक फॉर्म-5 (मेजर पेनाल्टी चार्जशीट) आरोप सं0 **E/CS/D&AR/Ramu/2024/11 dated 02.08.2024** जारी किया गया तदुपरांत श्री अशोक कुमार, वरि0 खण्ड अभि0/रे0प0/ खागा को दिनांक **13.09.2024** को जाँच अधिकारी नियुक्त किया गया। उक्त मामले की जाँच करके जाँच अधिकारी ने जाँच कार्यवाही की सम्पूर्ण पत्रावलियों सहित अपनी निष्कर्ष रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक **14.12.2024** को प्रस्तुत किया। प्रस्तुत जाँच पत्रावलियों का अधोहस्ताक्षरी द्वारा अवलोकन किया गया, जिसमें पाया गया कि आरोपी एवं उसके सर्विस रिकॉर्ड को देखते हुए यह प्रतीत हुआ कि आरोपी रेल सेवा के प्रति अत्यन्त लापरवाह है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में कर्मचारी को दिनांक **16.12.2024** को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया कि कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् अग्रिम कार्यवाही करते हुए आपके विरूद्ध रेल सेवा से निष्कासन की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा सकती है। आरोपी कारण बताओ नोटिस प्राप्त करने के बाद भी अभी तक कार्यालय में उपस्थित नहीं हुआ है।

श्री रामू पुत्र श्री कन्हई लाल
स्थाई पता- 67, गढ़वा, महिला ग्राम
सुबेदारगंज गयासुद्दीनपुर उपरहार
थाना-धूमनगंज, जिला-प्रयागराज (उ.प्र.)

(अनुशासनात्मक अधिकारी)
सहा0 मण्डल अभि0/लाइन
उ0म0रे0, प्रयागराज
09/25(D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

अत्याधुनिक उपकरणों से हो रही 'संगम' की सुरक्षा और निगरानी

प्रयागराज। महाकुम्भ में आस्था की डुबकी लगाने आ रहे करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा योगी सरकार की प्राथमिकता में है। इसी क्रम में गंगा और यमुना नदियों की सुरक्षा और निगरानी के लिए बड़ी संख्या में जल पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है। इन जवानों को अत्याधुनिक उपकरणों से भी लैस किया गया है। अंडर वाटर ड्रोन और सोनार सिस्टम जैसे इक्विपमेंट्स के माध्यम से जल पुलिस संगम के चप्पे चप्पे पर निगरानी कर रही है। लाइफबॉय और एफआरपी स्पीड मोटर बोट जैसे इक्विपमेंट्स आपातकालीन परिस्थितियों में सहायक होंगे। किसी भी तरह

की आपदा से निपटने के लिए वेल ट्रेन्ड जल पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। पर्याप्त मात्रा में जल पुलिस के जवान तैनात। जल पुलिस योजना के तहत अब तक करीब 2500 जवान तटों की सुरक्षा के लिए तैनात कर दिए गए हैं। तीन जल पुलिस स्टेशन बनाए गए हैं जो श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तत्परता से कार्यरत हैं। तटों पर सुरक्षा की मॉनीटरिंग जल पुलिस के कंट्रोल रूम से की जा रही है, जबकि पूरे मेला क्षेत्र में 17 जल पुलिस सब कंट्रोल रूम भी स्थापित किए गए हैं। इस मैनपावर में मेले की शुरुआत से पहले और इजाफा किया जाएगा और इसमें करीब 1300 जल पुलिस के जवान और जुड़ जाएंगे। इस तरह मेले के दौरान कुल मिलाकर 3800 जल पुलिस के जवान तटों की सुरक्षा में मुस्तैद रहेंगे। अत्याधुनिक उपकरणों से किया गया लैस। तटों की सुरक्षा के लिए योगी सरकार ने जल पुलिस के जवानों को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया है। 8 किमी. क्षेत्र में डीप वॉटर बैरीकेडिंग की गई है। 2 फ्लोटिंग रेस्क्यू स्टेशन बनाए गए हैं, जहां किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए जवानों की तैनाती की गई है। इसके अलावा संगम क्षेत्र की सुरक्षा के लिए 11 एफआरपी स्पीड मोटर बोट तैनात की गई हैं। 6 सीटर इस बोट में जवान हर समय संगम क्षेत्र की निगरानी करते नजर आ रहे हैं। आपातकालीन परिस्थितियों के लिए 4 वाटर एंबुलेंस भी तैनात कर दी गई हैं, जो तत्काल राहत पहुंचाने में समक्षम हैं। इसके अतिरिक्त 25 रिजार्जेबल मोबाइल रिमोट एरिया लाइटनिंग सिस्टम को भी तैनात किया गया है तो चेंजिंग रूम के साथ 4 अनाकोंडा मोटर बोट भी तैनात की जा रही है। इमरजेंसी प्लान भी तैयार। इसके अतिरिक्त जल पुलिस के जवान 2 किमी. लंबी रिवर लाइन से भी लैस हैं, जो यमुना में ट्रैफिक कंट्रोल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके अलावा उन्हें 100 डाइविंग किट, 440 लाइफबॉय, 3 हजार से ज्यादा लाइफ जैकेट, 415 रेस्क्यू ट्यूब, 200 थ्रो बैग विद रोप, 29 टॉवर लाइट सिस्टम, एक अंडर वाटर ड्रोन और एक सोनाल सिस्टम से लैस किया गया है। ये सभी अत्याधुनिक उपकरण जल पुलिस के जवानों को तटों की सुरक्षा के साथ–साथ जल में होने वाली हर तरह की गतिविधि की निगरानी और सुरक्षा में सक्षम बनाता है। महाकुम्भ उत्तर प्रदेश जल पुलिस,पीएसी एवं एसडी आरएफ के लिए बहुत बड़ा अवसर है। इस दौरान संगम व अन्य क्षेत्रों की सुरक्षा और निगरानी हम सबकी जिम्मेदारी है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सरकार ने जल पुलिस वद पीएसी को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया है। पर्याप्त संख्या में जनशक्ति भी उपलब्ध करायी गयी है। हमारा प्रयास महाकुम्भ को शत प्रतिशत श्इंसिडेंट फ्रीश बनाना है।

–डॉ. राजीव नारायण मिश्र, प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी पूर्वी जोन, प्रयागराज

नेशनल एंटी करप्शन इन्वेस्टिगेशन एजेंसी का हो रहा विस्तार

प्रयागराज। नेशनल एंटी करप्शन एंड इन्वेस्टिगेशन एजेंसी संस्थापक चेयरमैन चन्द्रेश दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल एंटी करप्शन एंड इन्वेस्टिगेशन एजेंसी संगठन में उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में सभी स्तरीय कमेटी का गठन बहुत तेजी से हो रहा है इसी क्रम में नेशनल एंटी करप्शन एंड इन्वेस्टिगेशन एजेंसी संस्थापक चेयरमैन चन्द्रेश दुबे ने बताया कि जनपद सुल्तानपुर निवासी संतोष मिश्रा राष्ट्रीय अध्यक्ष जनपद भदोही निवासी कृष्ण कुमार मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश जनपद प्रतापगढ निवासी राजेश कुमार शर्मा जिला अध्यक्ष जनपद प्रतापगढ़ मनोनीत किए गए हैं इसी क्रम में नेशनल एंटी करप्शन एंड इन्वेस्टिगेशन एजेंसी संस्थापक चेयरमैन चन्द्रेश दुबे ने कहा कि हमारे नेशनल एंटी करप्शन एंड इन्वेस्टिगेशन

एजेंसी संगठन का मुख्य उद्देश्य समाज में क्षेत्र में अपराध एवं भ्रष्टाचार को खत्म करना है हम किसी भी कीमत पर समाज में क्षेत्र में अपराध एवं भ्रष्टाचार नहीं होने देंगे इस पर लगाम लगाऐंगे हम किसी भी कीमत पर समाज में क्षेत्र में अपराध एवं भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे हम जल्द ही पुलिस प्रशासन के आला अफसरों एवं सम्बंधित जिला पुलिस प्रशासन से औपचारिक मुलाकात करते हुए वार्ता करेंगे और अपनी नेशनल एंटी करप्शन एंड इन्वेस्टिगेशन एजेंसी टीम को गठित करते हुए पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर उनका सहयोग करते हुए समाज और क्षेत्र में अपराध एवं भ्रष्टाचार को खत्म करते हुए क्षेत्रिय जनमानस का सहयोग करेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं0-Sig/D&AR/P/2024 दिनांक : 30.12.2024

गैर हाजिरी सूचना

श्री प्रद्युम्न पुत्र श्री घनश्याम, तकनीशियन-III/प्रयागराज, निवास स्थान- 211/A5 जयन्तीपुर, सुलेम सराय, प्रयागराज (उ0 प्र0) पिन नं0 211012 को सूचित किया जाता है कि आप दिनांक **05.01.2024** से लगातार अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे हैं। आप इस सूचना के प्रकाशित होने के तिथि से **10 दिन** के अन्दर वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/संकेत/प्रयागराज, द्वितीय तल मंडल रेल प्रबन्धक, कार्यालय नबाव यूसुफ रोड प्रयागराज के कार्यालय में अवश्य उपस्थित हो, अन्यथा यह माना जाएगा कि आप आगे रेल सेवा नहीं करना चाहते हैं। जिसके कारण रेल प्रशासन को एक तरफा निर्णय लेने हेतु बाध्य होना पड़ेगा।

(विशाल सिंह)
सहा0 मंडल संकेत एवं
दूरसंचार अभि0/टेली
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
2196/24 (AS)

नाम - श्री प्रद्युम्न
पुत्र - श्री घनश्याम
पता - 211/A5 जयन्तीपुर सुलेम सराय
जिला- प्रयागराज (उ0 प्र0), पिन :- 211012

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

संघ अध्यक्ष की अगुवाई में लेखपालों का तहसील परिसर में प्रदर्शन सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में लेखपालों के विरुद्ध विजिलेंस टीम एवं सतर्कता अधिष्ठान की ओर से की गई एवं की जा रही कार्यवाही से नाराज़ प्रान्तीय नेतृत्व के आह्वान पर आलापुर तहसील के सभी लेखपालों ने लेखपाल संघ अध्यक्ष विपिन कुमार तिवारी एवं मंत्री धीरेन्द्र कुमार उपाध्यक्ष पवन कुमार, रामसजीवन वर्मा, दयाशंकर,विनोद गोस्वामी,अजय वर्मा, रामरोमी, अनुज कुमार समेत अन्य पदाधिकारियों की अगुवाई में धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री जी को संबोधित

मांगपत्र उप जिलाधिकारी आलापुर सुभाष सिंह के माध्यम से प्रेषित किया। ज्ञात हो लेखपाल संघ अध्यक्ष विपिन कुमार तिवारी ने कहा कि राजस्व महकमे में लेखपाल तमाम प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हुए फील्ड में कार्य करते हैं ।अम्बेडकरनगर,बलिया, गाजीपुर, अयोध्या, सुल्तानपुर, समेत कई अन्य जिलों में विजिलेंस टीमों द्वारा लेखपालों का नाजायज़ तरीके से उत्पीड़न किया गया है और उत्पीड़न का सिलसिला बदस्तूर जारी है जिसे अब और अधिक बर्दाश्त नहीं किया जायेगा उन्होंने कहा कि अब उत्पीड़न बंद होना चाहिए।

इलेक्ट्रिक बसों की चार्जिंग के लिए चार स्थल किए गए चिन्हित

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान श्रद्धालुओं को परिवहन सेवा सुलभ कराने के लिए योगी सरकार इलेक्ट्रिक बसों का संचालन करने जा रही है। महाकुम्भ से पहले प्रयागराज में 10 से 15 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो जाएगा, जबकि 29 जनवरी को मौनी अवास्या के प्रमुख स्नान पर्व तक 30 और बसों को लखनऊ मुख्यालय से प्रयागराज भेज दिया जाएगा। इलेक्ट्रिक बसें विभिन्न रूटों पर श्रद्धालुओं को परिवहन सेवा उपलब्ध कराएंगी और उनके सफर को आसान बनाएंगी। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुम्भ में करोड़ों लोगों के आने का अनुमान है। ऐसे में ये इलेक्ट्रिक बसें परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।महाकुम्भ से पूर्व पहुंचेंगी 10 से 15 बसें। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के जीएम प्राविधिक अजीत कुमार सिंह ने बताया कि महाकुम्भ मेला के प्रारंभ होने से पूर्व 10 से 15 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन प्रयागराज में शुरू हो जाएगा।

वहीं, मौनी अमावस्या पर्व के पूर्व लगभग 30 से 40 बसें प्रयागराज पहुंच जाएंगी। इन बसों की सप्लाई स्विच मोबिलिटी द्वारा की जा रही है। बसों की लंबाई 12 मीटर है तथा एक चार्जिंग में यह लगभग 200 किलोमीटर से अधिक संचालित की जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि नई इलेक्ट्रिक बसें जो परिवहन निगम को प्राप्त हो रही हैं उनको सीधे प्रयागराज क्षेत्र ही भेजा जा रहा है। पूर्व में इनका प्री डिलीवी इंस्पेक्शन कानपुर में किया जाता था, लेकिन महाकुम्भ मेले के दृष्टिगत इन बसों का प्रयागराज क्षेत्र में ही प्रयाग डिपो के अंतर्गत चेकिंग की जाएगी तथा रजिस्ट्रेशन करने के उपरांत इनको वहीं पर संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय प्रबंधक प्रयागराज द्वारा मार्गो को चिन्हित कर लिया गया है, जिन पर इनका संचालन कराया जाएगा। रूट प्लान भी तैयार। प्रयागराज परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि इलेक्ट्रिक बसों के लिए शहर और बाहर दोनों का रूट प्लान तैयार है। उन्होंने बताया कि नेहरू पार्क, बेला कछार और अंदावा समेत प्रयागराज में बसों की चार्जिंग की 4 जगह व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है। मेला प्रशासन और पुलिस के द्वारा इनके रूट भी तय किए जा चुके हैं। पीक डेज में कुल 6 रूट्स पर बसों का संचालन होगा, जबकि सामान्य दिनों में 11 रूट्स पर इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी। उन्होंने बताया कि बसों के आते ही उनका संचालन तत्काल प्रभाव से शुरू कर दिया जाएगा। द्वितीय चरण में डबल डेकर बसें भी होंगी संचालित। परिवहन विभाग द्वितीय चरण में डबल डेकर बसें भी संचालित करेगा। विभाग को दूसरे चरण में कुल 120 इलेक्ट्रिक बसें मिलने की संभावना है। इनमें से 20 बसें डबल डेकर होंगी तथा 100 बसें 9 मीटर और 12 मीटर की होगी। 20 डबल डेकर की आपूर्ति स्विच मोबिलिटी के अलावा अन्य दो प्रकार की बसों की आपूर्ति में पिनेकल मोबिलिटी प्रा. लि. द्वारा की जाएगी। महाकुम्भ के दौरान इन बसों का संचालन मुश्किल है।

मुख्यमंत्री का दौरा बारम्बार फिर भी काम अधूरा - उज्जवल रमण सिंह

प्रयागराज। सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि महाकुंभ के कार्यों की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिये यह मुद्दा शीतकालीन सत्र में सदन में उठेगा क्योंकि जनता के पैसे का जिस हिसाब से अधिकारियों की लापरवाही से दुरउपयोग हुआ वो निन्दनीय हैं। सांसद ने कहा कि कई साल पहले से महाकुंभ की तैयारी का खाका खिंचा गया था 2019 के अर्धकुम्भ में ही धोषणा हुई थी कि 2025 के महाकुंभ में प्रयागराज में मेट्रो रेल व सिक्स लेन पुल फाफामऊ व संगम पर फ्लोटिंग ब्रिज बन कर तैयार हो जायेगा लेकिन हुआ क्या अधिकारियों की निष्क्रियता की वजह से सिक्स लेन पुल समय से तैयार नहीं हो पाया जिसकी जगह 60 करोड़ की लागत से सिर्फ दो महीने के लिए स्टील ब्रिज का निर्माण कराना पड़ा।

उत्तर मध्य रेलवे
भारतीय रेलवे
'सार्वजनिक अधिसूचना'

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 25 के.वी., 50 हर्टज ए.सी. सिरोपरि कर्षण तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से सिरोपरि कर्षण लाईन को सब समय विदयुन्मय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस सिरोपरि कर्षण लाईन की सामीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं दिया जायेगा।

खण्डः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के प्रयागराज छिवकी यार्ड के किमी 815/1059/5 से 816/1117सी के मध्य ।

ऊर्जीकृत करने की तिथिः 15.01.2025 को अथवा उसके पश्चात।

द्वारा निर्गतः
वरि. मण्डल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण)
प्रयागराज मण्डल, उत्तर मध्य रेलवे 17/25 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

आचार्य महामण्डलेश्वर कैलाशानंद गिरी,बलबीर गिरी और साध्वी निरंजना ज्योति भी प्रवेश यात्रा में रहीं शामिल

प्रयागराज। सनातन धर्म और संस्कृति के महापर्व, महाकुम्भ का आयोजन प्रयागराज में संगम तट पर होने जा रहा है। महाकुम्भ के सबसे बड़े आकर्षण साधु–संन्यासियों के अखाड़ों का प्रवेश मेला क्षेत्र में होने लगा है। परम्परा अनुसार धर्म की रक्षा के लिए आदि शंकराचार्य की प्रेरणा से बने 13 अखाड़े अपने–अपने क्रम से छावनी प्रवेश कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी का महाकुम्भ में दिव्य भव्य छावनी प्रवेश हुआ। निरंजनी अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा को देखने हजारों की संख्या में प्रयागराजवासी सड़कों पर मौजूद थे। अखाड़े के साधु–संतों पर जगह–जगह पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया गया।बाघम्बरी गद्दी से निकल कर दिव्य–भव्य छावनी प्रवेश यात्रा पहुंची महा कुम्भ मेला क्षेत्र। आदि शंकराचार्य की प्रेरणा से 726 ईस्वी में स्थापित हुए श्री

पंचायती निरंजनी अखाड़े की महाकुम्भ में छावनी प्रवेश यात्रा का शुभारंभ प्रयागराज के बाघम्बरी गद्दी मठ से हुआ। छावनी प्रवेश यात्रा में सबसे आगे धर्म ध्वजा,अखाड़े का प्रतिनिधित्व करती हुई चल रही थी। उसके पीछे नागा संन्यासियों की टोली हाथों में चांदी के छत्र, छड़िया, भाले और तलवार लेकर ईष्ट देव भगवान कार्तिकेय की सवारी के साथ अगुवाई कर रही थी। ईष्ट देव की सवारी के पीछे ढोल–ताशे, लाव–लश्कर के साथ हाथी, घोड़ों और ऊंट पर सवार नागा संन्यासियों का जत्था चल रहा था। जो सभी नगरवासियों के लिए दुर्लभ दर्शन और आकर्षण का केंद्र बना। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रविंद्र पुरी ने कहा एकता और समरसता है निरंजनी अखाड़े का संदेश। छावनी प्रवेश यात्रा मठ बाघम्बरी गद्दी से निकल कर भरद्वाजपुरम् के लेबर चौहारे से मटियारा रोड होते हुए अलोपी देवी मंदिर तक पहुंची। यहां पर प्रवेश यात्रा के स्वागत के लिए प्रयागराज नगर निगम की ओर रंगोली बनाई गई थी और पुष्प वर्षा की जा रही थी। नागा संन्यासियों की टोली के साथ ही अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्री रविंद्र पुरी जी साधु–संतों के साथ चल रहे थे। उन्होंने बताया कि एकता और समरसता निरंजनी अखाड़े का मूल मंत्र है। महाकुम्भ की छावनी साधु–संन्यासियों के लिये शिक्षा–दीक्षा का केंद्र होती है। इस महाकुम्भ के अवसर पर निरंजनी अखाड़ा हजारों की संख्या में नये नागा संन्यासियों को दीक्षा देगा, जो आने वाले वर्षों में सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देंगे। आचार्य महामण्डलेश्वर कैलाशानंद गिरी भी हुए शामिल। निरंजनी अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा में आनंद अखाड़ा भी परंपरा अनुसार साथ में ही प्रवेश करता है। प्रवेश यात्रा में अखाड़ों के आचार्य, मण्डलेश्वर फिर महामण्डलेश्व इनके बाद आचार्य महामण्डलेश्वर पद क्रमानुसार चल रहे थे। प्रवेश यात्रा में निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामण्डलेश्वर कैलाशानंद गिरी, बाघम्बरी गद्दी के पीठाधीश्वर बलबीर गिरी, साध्वी निरंजना ज्योति और सौकड़ों की संख्या में साधु–संन्यासी पैदल और रथों पर सवार होकर चल रहे थे। नगर प्रशासन और मेला प्राधिकरण के अधिकारियों ने साधु–संतों का माल्यार्पण और पुष्प वर्षा कर स्वगात किया। इसके पश्चात पांटून पुल से गुजर कर महाकुम्भ के आखाड़ा परिसर में छावनी प्रवेश हुआ। बाजे–गाजे और मंत्रोच्चार–पूजन के साथ ईष्ट देव भगवान कार्तिकेय को छावनी में स्थापित कर, साधु–संन्यासियों ने हर–हर महादेव और गंगा मईय्या की जय का उद्घोष किया।

राष्ट्रीय कवि संगम की बैठक संपन्न

प्रयागराज।। राष्ट्रीय कवि संगम काशी प्रांत यमुना पार इकाई प्रयागराज द्वारा महाकुंभ मेले में होने वाले कार्यक्रमों के लिए बी बी एस इंटर कॉलेज गोविंदपुर में कवि गोष्ठी एवं बैठक का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल परमार्थी बाबू, मुख्य अतिथि, लाल बहादुर पूर्व विधायक मंझनपुर विशिष्ट अतिथि, डॉ अनिल भदौरिया प्रांतीय मंत्री ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सुश्री प्रतिमा मिश्रा संभाग प्रभारी काशी प्रांत, नीलिमा मिश्रा जिला अध्यक्ष प्रयागराज मौजूद रहे। संचालन

इंदु जौनपुरी प्रांतीय उपाध्यक्ष काशी प्रान्त ने किया। संयोजक निखिलेश मालवीय जिला अध्यक्ष यमुनापार, सह संयोजक अमित कुमार शर्मा ज़िला अध्यक्ष भदोही, सौरभ श्री, हंसराज हंस, पुष्कर प्रधान, केपी गिरी, बालकृष्ण पाण्डेय ,देवेन्द्रमनी त्रिपाठी, विकास बैरागी, राधा शुक्ला, कृष्ण गोपाल, सुधांशु शुक्ला आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जन कवि प्रकाश जी का जन्म दिवस भी मनाया गया प्रतिमा जी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सफाई कर्मचारियों का चुनाव आज

प्रयागराज।। जनपद के 2000 से अधिक सफाई कर्मचारी का इंतजार देखते देखते आज खत्म हुआ है। आज 5 जनवरी को जनपद के सभी ब्लॉकों के कर्मचारी के माध्यम से यह चुनाव विकास भवन के निकट एस. आर. टावर में प्रातः 10 बजे से होगा। यह जानकारी बीएल पटेल और मिथिलेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दी। चुनाव अधिकारी के रूप में सफाई कर्मचारी के प्रदेश के मुखिया उमेश भारती ने प्रदेश कोषाध्यक्ष कृपा शंकर यादव तथा राज्य कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष मिथिलेश सिंह को चुनाव अधिकारी बनाया है। जनपद के अधिक से अधिक महिला– पुरुष सफाई कर्मचारी के आने की संभावना बताई गई है। सफाई कर्मचारियों का जिला कार्यकारिणी का यह चुनाव जो आज होने चल रहा है, उसका कार्यकाल 2 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, इसलिए 2 वर्ष पूर्ण होने के उपरांत यह चुनाव कराया जा रहा है। जिसमें जनपद प्रतापगढ़ के सभी सफाई कर्मचारी अपने मनपसंद जिला अध्यक्ष और जिला कमेटी का गठन करेंगे। बताते चलें कि सफाई कर्मचारी के जनपद प्रतापगढ़ के जिला अध्यक्ष बीएल पटेल लगातार छह बार से लगातार कमान संभाले हुए हैं। इस बार देखना है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**